राष्ट्रीय विचारों का पाक्षिक

₹10

पाथेय कण

आषाढ़ शु.10, वि. 2081, युगाब्द 5126,16 जुलाई , 2024

39 वर्षों से निरंतर

चिन्मय मिशन के आश्रम में हुई थी विश्व हिंदू परिषद की स्थापना

नई पीढ़ी को समाधान उनकी भाषा में बताना होगा: अभेदानंद

www.patheykan.com

patheykan@gmail.com @patheykanofficial @patheykanofficial @patheyofficial1 @patheykan

सशक्त संपादन

पाथेय कण का परिचय है -उच्च ध्येय और उत्कृष्ट भाव ! मैं सामग्री संचयन और सशक्त संपादन पर विस्मित हूँ ।

-राजू मेहता, गुलाबनगर,जोधपुर

राहुल गांधी का बयान

हाल ही में, राहुल गांधी ने एक बयान में हिंदुओं को हिंसक कहकर विवाद उत्पन्न कर दिया। हिंदू धर्म का इतिहास शांति, सहिष्णुता, और अहिंसा के सिद्धांतों से भरा हुआ है। राहुल गांधी का बयान न केवल ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत है, बल्कि यह एक बड़े समुदाय (हिंदू समाज) की भावनाओं को आहत करने वाला भी है। ऐसे बयानों से बचना चाहिए जो समाज में विभाजन और असहमति को बढ़ावा दें।

-आयुष कुमार शर्मा, मुरलीपुरा, जयपुर

चरैवति

16 जून के अंक में दिया गया संपादकीय 'चरैवेति-चरैवेति' पढ़ा। लेख में इदम न मम, इदम् राष्ट्राय शब्दों का गहन अर्थ है। देशभक्ति के लिए समर्पित कार्यकर्ता संघ को अच्छे से जानते हैं...स्वत: आचार संहिता निर्माण की सीख प्रत्येक राजनेता को लेनी चाहिए।

-बृजमोहन चांडक, जयपुर

हिंदू विरोधी गठजोड़

पिछले कुछ वर्षों में एक के बाद एक ऐसी अनेक घटनाएं हो रही हैं जिससे लग रहा है कि मोदी विरोधी लिबरल-गठजोड़ फिर पूरी शक्ति से सक्रिय हो गया है, जिसका मोदी विरोध धीरे-धीरे भारत और हिन्दू विरोध तक स्थापित होता जा रहा है। क्या यह संयोग मात्र है कि इन वर्षों में दुनिया भर में हिन्दू जीवन-शैली और हिंदुत्व के प्रति आदर और स्वीकार्यता बढ़ी है। लेकिन इसके साथ-साथ ही इस हिन्दू विरोधी गठजोड़ के द्वारा हिन्दू देवी-देवताओं, आस्थाओं, परंपराओं के प्रति बहुआयामी आक्रमण बढ़े हैं। 'सनातन धर्म' को मच्छर की तरह समाप्त करने और मंदिर में हिन्दू देवदर्शन हेतु नहीं बल्कि लड़कियों को छेड़ने जाते हैं। जैसे वक्तव्य तथा हिन्दू ग्रन्थ, साहित्य आदि की अपने लाभ के लिए अनुचित व्याख्या कर कभी हिंन्दू समाज को आपस में बांटना, तो कभी संपूर्ण हिन्दू समाज को ही हिंसक बताना और वह भी संवैधानिक पदों पर बैठे महत्वपूर्ण व्यक्तियों द्वारा, उनकी अपनी कुंठा को ही प्रदर्शित करता है। परंतु हिंदुओं की समस्या यह है, कि या तो उन्हें अपने अपमान की जानकारी नहीं है या फिर उन्होंने इसे याद रखना उचित नहीं समझते, यानी कि आत्म शून्यता और आत्मविस्मृति।

-लेखाराम विश्नोई, जोधपुर

पाथेय कण में है...

'पाथेय' जिसमें समाज है और जन-जागरण भी, जिसमें धर्म है और संस्कार भी, जिसमें देश है और कानून भी, जिसमें बच्चे हैं और वृद्ध भी, जिसमें देश भक्त हैं और उनका पराक्रम भी, जिसमें परिवार है और समभाव भी, जिसमें संस्कृति है और उसकी पहचान भी ... इसका कोई लेख विशेष न होकर पूर्ण पुस्तक ही विश्लेषण योग्य होती है।

-अजानी दास

रोचक जानकारी

1 जुलाई के अंक में चारधाम यात्रा के लिए बिछाई जा रही रेलवे लाइन की जानकारी बहुत ही रोचक लगी, आपने बहुत विस्तार से समझाया है। वास्तव में 2025 से यह रेल यात्रा शुरु हो जाने पर चारधाम की यात्रा सुगम व सरल हो जायेगी

-जगमाल सिंह राठौड़, नीम का थाना

पाथेय कण पोर्टल पर पढ़ें

(दिए गए लिंक पर क्लिक करें)

- **12 से 14 जुलाई: संघ की प्रांत प्रचारक बैठक में 'सामाजिक परिवर्तन के पंच उपक्रम' पर चर्चा**
  https://patheykan.com/?p=27930
- **फ्रांसीसी चुनाव : लेफ्ट लिबरल का सच**
  https://patheykan.com/?p=27937
- **मीट की दुकान के बाहर लिखना होगा- हलाल या झटका**
  https://patheykan.com/?p=27926

प्रतिक्रिया भेजें

पाठकों से आग्रह है कि अंक के संदर्भ में अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें वाट्सएप या ईमेल के माध्यम से अवगत कराएं, साथ में अपना पासपोर्ट साइज फोटो भी अवश्य भेजें।

WhatsApp : 7976582011
E-mail: patheykan@gmail.com

पाथेय कण
आषाढ़ शुक्ल 10 से श्रावण कृष्ण 11 तक
विक्रम संवत 2081
युगाब्द 5126
16-31 जुलाई, 2024
वर्ष : 40 अंक : 8

सम्पादक : रामस्वरूप अग्रवाल
सह सम्पादक : मनोज गर्ग
प्रबंध सम्पादक : ओमप्रकाश
सह प्रबंध सम्पादक : श्याम सिंह
अक्षर संयोजन : कौशल रावत

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन' 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017 (राजस्थान)
E-mail : patheykan@gmail.com

पाथेय कण संस्थान के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक: माणकचन्द

सहयोग राशि
एक वर्ष 150/-
पन्द्रह वर्ष 1500/-

पाथेय कण प्राप्त नहीं होने पर प्रात: 10 से सायं 5 बजे तक संपर्क करें- 79765 82011 इसके अतिरिक्त समय में वाट्सएप व मैसज करें अथवा ईमेल पर जानकारी दें। अति आवश्यक होने पर मो.न. 9166983789 पर मोहित जी से संपर्क कर सकते हैं।

अथ प्रकरण बयान राहुल गांधी

अंतिम हथियार

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने क्या पहली बार ही हिंदू और हिंदुत्व के प्रति आपत्तिजनक और अपमानकारी वक्तव्य दिया है? पहले भी वे कई बार हिंदू धर्म और हिंदुओं का अपमान कर चुके हैं। उनकी स्थिति 'अधजल गगरी छलकत जाए' जैसी है। उन्हें हिंदू और हिंदुत्व शब्दों का अर्थ पता हो- इसमें शंका है।

जयपुर की एक रैली में 12 दिसम्बर, 2021 को राहुल गांधी ने कहा था कि हिन्दुवादी झूठ बोलते हैं, हिंदू सच बोलते हैं। अभी उसी हिंदू को संसद में हिंसक बता दिया और कहा कि हिंदू 24 घंटे नफरत व हिंसा फैलाता है और असत्य बोलता है। उन्होंने 20 अगस्त, 2014 को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में महिला कांग्रेस के एक कार्यक्रम में कहा था ''जो लोग मंदिर जाते हैं, मंदिर जाकर मत्था टेकते हैं और जो आपको मां-बहन कहते हैं, वही लोग आपको बस में छेड़ते हैं।'' एक हिंदू का इससे बड़ा अपमान क्या हो सकता है?

23 सितम्बर, 2023 को राहुल गांधी ने एक बार फिर हिंदू विरोधी बयान दिया। उन्होंने कहा- ''संसद में चुनकर आए प्रतिनिधि मंदिर की मूर्तियों की तरह हैं, सिर्फ दिखावे के लिए। उनके पास मूर्तियों की तरह कोई शक्ति नहीं है।'' क्या राहुल गांधी यह नहीं जानते कि मंदिर में मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा की जाती है तब वे भगवान बन जाती हैं। हिंदू उन्हें साक्षात् ईश्वर मानकर ही उनकी पूजा-अर्चना करते हैं।

राहुल गांधी स्वयं जिन मूर्तियों को शक्तिहीन मानते हैं, मंदिर जाकर उन्हीं मूर्तियों के आगे हाथ जोड़ कर पूजा करने का दिखावा या कहें कि, ढोंग भी करते हैं। अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान जब राहुल गांधी झारखंड के देवघर में बाबा वैद्यनाथ धाम मंदिर पहुँचे तो उन्होंने लाल धोती पहनकर पूजा-अर्चना की, माथे पर तिलक लगाया और माला पहने मंदिर से बाहर आते दिखाई दिए जहां भीड़ ने 'मोदी-मोदी' के नारों से उनके ढोंग का स्वागत किया। भारत जोड़ो यात्रा की समाप्ति पर मुम्बई में हुई सभा में राहुल गांधी ने कहा था- हम लोग नरेन्द्र मोदी या बीजेपी के विरुद्ध नहीं लड़ रहे हैं... हिंदू धर्म में 'शक्ति' शब्द होता है, हम शक्ति से लड़ रहे हैं। बाद में जब चारों ओर उनकी आलोचना होने लगी तो उन्होंने सफाई दी उनका मतलब आसुरी शक्ति से था। आसुरी शक्ति कौन सी है जिससे वे लड़ रहे हैं- यह उन्होंने नहीं बताया।

राममंदिर के लिए देशभर में चले आंदोलन का भी मजाक उड़ाने में राहुल गांधी पीछे नहीं रहे। राहुल गांधी रामजन्मभूमि आंदोलन को लालकृष्ण आडवाणी द्वारा आरम्भ मानते हैं तो उनकी बुद्धि पर तरस आता है। गत 7 जुलाई को अहमदाबाद में राहुल गांधी ने कहा है कि इंडी गठबंधन ने अयोध्या में भाजपा को हराकर रामजन्मभूमि आंदोलन को पराजित कर दिया है। इससे बड़ा सर्व हिंदू समाज और उसके इतिहास का अपमान क्या हो सकता है? जिस रामजन्मभूमि के लिए गत 500 वर्षों से लगातार चल रहे इस आंदोलन में संत-महात्मा, राजा-महाराजा और निहंग सिखों सहित लाखों हिंदुओं ने अपना बलिदान दिया है, उस रामजन्मभूमि आंदोलन को पराजित कर दिया, यह कहकर क्या राहुल गांधी ने लाखों बलिदानियों सहित हिंदू समाज की खिल्ली नहीं उड़ाई है?

विश्व हिन्दू परिषद् की ओर से ठीक ही कहा गया है कि रामजन्मभूमि आंदोलन को पराजित करने वाला राहुल का बयान हिंदुओं के प्रति घृणा से भरा हुआ है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि कांग्रेस के तत्कालीन एक बड़े नेता कपिल सिब्बल ने सर्वोच्च न्यायालय में चले जन्मभूमि बनाम सुन्नी वक्फ बोर्ड के मुकदमे में वक्फ बोर्ड की तरफ से वकालत करते हुए राम मंदिर का भरपूर विरोध किया था। कांग्रेसी नेताओं द्वारा मुस्लिम आतंकवाद को कमतर दिखाने के लिए भगवा आतंकवाद के नाम पर हिंदुओं को भी आतंकवादी बताने का प्रयास बहुत पुराना नहीं है।

राहुल गांधी और कांग्रेस द्वारा हिंदुओं को लांछित करने की जिद अब हद से आगे बढ़ गई है। हिन्दुत्व से घृणा की राजनीति ने देश में कटुता और साम्प्रदायिकता का जहरीला वातावरण तैयार कर दिया है। इसमें सपा, द्रमुक, तृणमूल, राजद जैसे कांग्रेस के साथी दल भी पीछे नहीं हैं। अपने स्वार्थ के लिए हिंदू समाज में जातिवाद को बढ़ावा देने का कार्य कब तक चलता रहेगा ?

क्या हिंदू समाज के लोग इस पूरे परिदृश्य से अनजान हैं? शुतुरमुर्ग की तरह मुँह छिपा लेने से क्या हिंदू समाज अपने अस्तित्व को बचा पाएगा? हिंदू विरोधी बयानों और गतिविधियों पर अंकुश आम हिंदू ही लगा सकता है।

प्रश्न है कि क्या इन जहरीले बयानों के विरोध में हिंदू समाज पूरे देश में खड़ा हुआ है? क्या समुचित प्रतिकार किया गया? क्या प्रतिकार हेतु सभा, जुलूस, धरने, ज्ञापन आदि संविधान सम्मत तरीके पर्याप्त संख्या में किये गए? इन प्रतिकार माध्यमों से भी किसी को सद्बुद्धि नहीं आए तो अन्तिम हथियार 'मतदान' द्वारा सबक सिखाना ही होता है।

यह न भूलें कि 'हिंदू धर्म नहीं रहा तो जातियां और मत-पंथ भी नहीं रहेंगे।' - रामस्वरूप

देखना सिखाता है अध्यात्म

नई पीढ़ी को समाधान उनकी भाषा में बताना होगा

हिंदू धर्म नहीं रहेगा तो जाति भी नहीं रहेगी : स्वामी अभेदानन्द

पाथेय भवन के देवर्षि नारद सभागार में चिन्मय मिशन के दक्षिण अफ्रीका प्रमुख स्वामी अभेदानन्द जी द्वारा गत 25 से 30 जून तक गीता तथा आदि-शंकराचार्य कृत मनीषा पंचकम् पर प्रवचन हुए, जिनमें बड़ी संख्या में जयपुर के गणमान्य नागरिक सहभागी बने। पाथेय कण के संपादक रामस्वरूप अग्रवाल द्वारा इस दौरान स्वामी जी से लिए गए साक्षात्कार के मुख्य अंश यहां प्रस्तुत किए जा रहे हैं –

संपादक : हमारे सामान्य पाठकों की दृष्टि से चिन्मय मिशन के बारे में कुछ जानकारी दें?

स्वामी जी : चिन्मय मिशन एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, आध्यात्मिक संस्था है। इसकी स्थापना हमारे पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी ने की थी। इसका मुख्य उद्देश्य है हमारे शास्त्रों से जीवन का समाधान निकालना। जब तक हम लोग अपनी जड़ से नहीं जुड़ते तब तक व्यक्ति को अन्य कोई भी सभ्यता, कोई भी संस्कृति उड़ा ले जाएगी। गीता-रामायण आदि शास्त्र वह लिंक हैं जो अपनी जड़ से हमें जोड़ने का प्रयास करते हैं।

मैकाले ने हमको हमारी जड़ से काटा, हमारे गुरुकुल से काटा, हमारी भाषा से काटा, संस्कृति से काटा, हिन्दू धर्म से काटा। उसने हमें क्लर्क बनाया और काफी हद तक वह सफल रहा। उसका खामियाजा हम लोग आज भी भुगत रहे हैं। आज हम लोगों के पास शास्त्र नहीं है, मतलब 20 साल का एक लड़का ग्रेजुएट हो जाता है लेकिन उसको गीता का कोई एक श्लोक तक नहीं आता। उसको लगता है कि ये सब तो बुड्ढे लोगों की चीज है। उसको नहीं पता कि जीवन जीने के लिए इसकी आवश्यकता होती है।

आज का जो एजुकेशन सिस्टम है वो जीविका बनाते हैं जीवन नहीं, वह धन कमाने के लिए है, आपको बहुत महत्वाकांक्षी बनाता है, लेकिन हमारे जो मूल्य हैं, हमारी जो श्रद्धा है, उस पर कोई काम नहीं होता है। इसलिए युवा बीस साल बाद ज्यादा परेशान रहता है, दु:खी

रहता है, उसका चरित्र इतना सुदृढ़ नहीं होता। इसके लिए हमारे गुरुदेव ने सोचा कि हम लोग एक संस्था बनाकर, जो काम सरकार नहीं कर पाई, स्कूल कॉलेज नहीं कर पाए, इस तरह की संस्था, चाहे बच्चे हों, चाहे युवा हों, वृद्ध हों, सबके लिए इस तरह का काम किया जाए कि जन जन तक हम इन श्लोकों को पहुंचाएं और उनके मन को सींचा जाए मूल्यों से। व्यक्ति की बाहर की पहचान पढ़ाई से होती है, अंदर की पहचान उसके चरित्र से और विश्वास से होती है।

अंदर की पहचान ठीक नहीं होगी तो व्यक्ति टूट जाएगा, उसके अंदर अपने धर्म के प्रति निष्ठा नहीं रहती, विश्वास नहीं रहता। इतनी तेज हवा है आजकल पाश्चात्य संस्कृति की, तरह तरह का कल्चर आ रहा है, हम लोग बहुत जल्दी खत्म हो जाएंगे अगर उसको ठीक से नहीं पकड़ा तो, संतों का यही काम रहा है।

संपादक : विदेशों में चिन्मय मिशन का कार्य कितने देशों में हैं ?

स्वामी जी : हमारे ख्याल से होगा करीब 25-30 देशों में।

संपादक: वहां इसका उद्देश्य क्या है?

स्वामी जी : वही उद्देश्य हैं, जो यहाँ हैं।

संपादक : वहां जो भारतीय मूल के लोग है वे इसमें आते हैं या स्थानीय लोग भी आते हैं?

स्वामी जी : मुख्यत: तो भारतीय मूल के लोग आते हैं। जो यहां से गये और यहां से कट गए, वे आते हैं। लेकिन बाकी लोग भी आते हैं और आपको आश्चर्य होगा कि वहां पर ज्यादा इसकी कीमत है

चिन्मय मिशन-एक परिचय

1953 में स्थापित यह मिशन एक आध्यात्मिक आंदोलन है जिसमें बड़ी संख्या में आध्यात्मिक, शैक्षिक एवं धर्मार्थ गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं जिनके माध्यम से भारत और भारत के बाहर हजारों-लाखों के जीवन को बेहतर बनाया जा रहा है। हिंदू धर्म के मूल तत्व वेदांत और गीता के माध्यम से मनुष्य के आंतरिक विकास का कार्य चिन्मय मिशन करता है। इसके भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों में 300 से अधिक आश्रम/केन्द्र हैं।

यहां की अपेक्षा। करीब 50 तो आश्रम हैं पूरे अमेरिका में। साउथ अफ्रीका में 6 जगह हैं। जब कोई अल्पसंख्यक हो जाता है तो काफी इनसेक्योर हो जाता है। इसलिए वहां पर दिवाली बहुत धूमधाम से मनती है। वहां कोई भी कार्यक्रम होता है हिंदू धर्म का, बड़ी संख्या में लोग आते हैं और सुनते हैं। ये बात अलग है कि वे संस्कृत नहीं जानते हैं, देवनागरी भी नहीं जानते हैं। उनको सिखाना पड़ता है। लेकिन उनको लगता है कि कोई है भारत से। उनको ये लगता है कि कोई आया है जो हमारे लिए बात करता है। प्रतिनिधि के रूप में हमको देखते हैं।

संपादक : अभी जो कार्यक्रम हो रहे हैं उनमें यह अनुभव आया है कि नई पीढ़ी के लोग कम जुड़ रहे हैं। इसके बारे में आप क्या सोचते हैं?

स्वामी जी : हमें उनकी भाषा में बताना पड़ेगा। नई पीढ़ी के लोग आएंगे। उनके पास इतना प्रेशर है कॉम्पटीशन (प्रतियोगिता)का और पैसे कमाने का। उनको लगता है कि समय यहां क्यों लगाएँ। बहुत से तरीके हैं, सोशल मीडिया सबसे अच्छा तरीका है। बहुत सारे सत्संग सोशल मीडिया में आ गए हैं। बहुत से युवा जुड़े हुए हैं। बहुत से जुड़ेंगे। उनको उनकी भाषा में उनकी समस्या का समाधान बताना होगा। अगर हम पुरानी भाषा में बताएंगे तो उनको लगेगा कि हमारे मतलब की चीज नहीं है।

संपादक : नई पीढ़ी का दृष्टिकोण बहुत भौतिकवादी हो गया है। नई पीढ़ी को गीता से क्या मिलेगा ?

स्वामी जी : उनको यह मिलेगा कि जीवन कैसे जीना चाहिए, सफलता-असफलता का सामना कैसे करना चाहिए। जीवन एक सीधा रास्ता नहीं होता, बहुत ऊपर-नीचे होता रहता है। सबको शांति चाहिए। सबको सुख चाहिए । उनके पास ज्यादा चैंलेजेंस हैं क्योंकि उनके पास जॉब की प्रॉब्लम है, घर की प्रॉब्लम है, कइयों को पैसे की प्रॉब्लम है। अध्यात्म तो आपको देखना सिखाता किसी घटना को। ऐसा देखो कि जगत आपके नीचे रहे और आप जगत के ऊपर होकर देखो। फंस मत जाओ कहीं पर, रूक मत जाओ, रोना मत शुरू कर दो। दु:खी मत हो जाओ, यही तो कला हम लोग सिखाते हैं। उनको जब ये विश्वास हो जाता है कि गीता हमको यह सिखायेगी तो निश्चित रूप से वे आते हैं और बहुत जोर के साथ अपना सहयोग करते हैं।

" पाँच सौ साल से हम लोग इंतजार कर रहे थे। हम लोग चूंकि बंटे हुए थे, टूटे हुए थे, इसलिए इतना समय लगा। दूसरी बात यह है कि जब तक सारे हिन्दू धर्म का संकल्प एक नहीं होता, तब तक हम लोग नहीं बढ़ेंगे आगे। अभी तो मथुरा भी बनेगा और वाराणसी भी बनेगा। "

संपादक : इस तरह के कार्यक्रमों में शायद उच्च-मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग के लोग ज्यादा आते हैं। गांव का सामान्य व्यक्ति जो गांव में रहता है, बस्ती में रहता है, वह उसको भी जोड़ा जाए इसका प्रयास है क्या? उनके लिए भी कोई महत्व है गीता का?

स्वामी जी : बिल्कुल, हम लोगों के गांव में भी आश्रम होते हैं। अगर हम लोग गांव में जाए और उनकी भाषा में बात करें तो वे बिल्कुल आएंगे। उनके पास भी श्रद्धा है। उनके अंदर विश्वास है। उनके लिए भी गीता का पूरा महत्व है। वो भी जीव हैं, प्राणी हैं, हमारे भाई लोग हैं, हमारा ही दूसरा अंश हैं वे चाहे छोटे वर्ग का हो, बड़े वर्ग का हो, चाहे शहर-नगर का हो, सब जगह इसकी आवश्यकता है। उनको उनकी भाषा में समझाया जाए। लेकिन वे इतनी दूर से चलकर नहीं आएंगे। उनके पास जाना पड़ेगा।

संपादक : बहुत लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भगवान राम का मंदिर बना। समाज और देश के लिए उसका क्या महत्व आप देखते हैं?

स्वामी जी : बहुत बड़ा महत्व है। पाँच सौ साल से हम लोग इंतजार कर रहे थे। दो-तीन चीजें हमको समझ में आईं इसमें। पहली बात तो, हम लोग चूंकि बंटे हुए थे, टूटे हुए थे, इसलिए इतना समय लगा। दूसरी बात यह है कि जब तक सारे हिन्दू धर्म का संकल्प एक नहीं होता, तब तक हम लोग नहीं बढ़ेंगे आगे। तीसरी बात है कि श्रद्धा का केन्द्र है यह। हमारी श्रद्धा जीत गई। शस्त्र पर शास्त्र जीत गया फिर से। हम जीत गए फिर से। अभी तो मथुरा भी बनेगा और वाराणसी भी बनेगा।

संपादक : गीता का ज्ञान हजारों वर्ष पहले भगवान कृष्ण ने दिया। आज के वैज्ञानिक और भौतिक युग में क्या इसकी कोई प्रासंगिकता है ?

स्वामी जी : पूरी प्रासंगिकता है। बाहर से इन्फ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढांचा) बदल गया, मन वही है। अभी लोगों की वही समस्या है जो दुर्योधन की थी, काम की वही समस्या है जो जयद्रथ को थी, क्रोध की वही समस्या है जो रावण को थी। मन वही है। गीता तो बाहर के जीवन को बदलने के लिए बोल ही नहीं रही है। गीता तो बता रही है कि सत्य क्या है और आप सत्य तक कैसे पहुंचेंगे। वह सत्य शाश्वत है और सत्य का साधन भी शाश्वत है। इसलिए उसकी आवश्यकता हमें हमेशा ही रहेगी और आज के लाखों वर्ष बाद भी गीता वैसे ही प्रासंगिक रहेगी, क्योंकि, हमारी समस्या यही है कि हम जानते नहीं हैं सत्य को, आत्मा के अज्ञान को। ब्रह्मज्ञान वैसे ही रहेगा। जो चीज हर काल में आती जाती है उसका स्टैंडर्ड बदलता रहता है। पहले वह दवाई अच्छी थी, अब ये दवाई आ गई है। पहले ये कम्युनिकेशन अच्छा था, वैसा फोन था, अब ऐसा फोन है। पंचमहाभूत वाली चीज बदली है, लेकिन आत्मा नहीं बदलती। गीता तो विज्ञान से भी ऊपर है।

आध्यात्मिक चिंतक, विद्वान स्वामी चिन्मयानन्द
जिनके आश्रम में हुई थी विश्व हिंदू परिषद की स्थापना

स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती भारत के महान आध्यात्मिक चिंतक तथा वेदांत दर्शन के विश्व प्रसिद्ध विद्वान थे। उपनिषदों और गीता पर उनके भाष्य तथा उनके द्वारा विकसित वेदांत अध्ययन का पाठ्यक्रम वेदांत को समझने में बहुत सहायक है। चिन्मय मिशन आज सम्पूर्ण विश्व में वेदांत दर्शन व गीता के प्रचार-प्रसार में संलग्न है। उन्होंने सैकड़ों संन्यासी और ब्रह्मचारी प्रशिक्षित किए, हजारों स्वाध्याय मंडल स्थापित किए तथा बहुत से समाज सेवा के कार्य प्रारम्भ करवाए। स्वामी चिन्मयानन्द के मुम्बई स्थित पवई आश्रम (संदीपनी साधनालय) में ही 29 अगस्त, 1964 में जन्माष्टमी के दिन विश्व हिंदू परिषद की स्थापना हुई थी।

इस हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर 'श्रीगुरुजी' की पहल पर सम्पन्न बैठक में स्वामी चिन्मयानन्द जी के अलावा एस एस आप्टे, सिख नेता मास्टर तारा सिंह, पूज्य शंकराचार्य जी, राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज, जैन समाज से पूज्य सुशील मुनि, हनुमान प्रसाद पोद्दार, केएम मुशी सहित 40-45 महानुभाव उपस्थित थे।

29 अगस्त, 1964 को विश्व हिंदू परिषद के स्थापना के समय स्वामी चिन्मयानन्द जी, गुरुजी गोलवलकर, एसएस आप्टे, तुकडोजी महाराज तथा पूज्य शंकराचार्य जी

स्वामी विवेकानन्द ने 1893 में अमेरिका के शिकागो शहर में हुई विश्व धर्म संसद में हिंदू धर्म का डंका बजाया था। इसके ठीक सौ वर्ष पश्चात् सन 1993 में शिकागो में ही हुई विश्व धर्म संसद में स्वामी चिन्मयानन्द ने हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व किया।

8 मई, 1916 को केरल के एर्नाकुलम में जन्में स्वामी चिन्मयानन्द स्वतंत्रता सेनानी और पत्रकार भी रह चुके थे। उस समय आज के झारखंड, बिहार सहित भारत के पिछड़े इलाकों में गरीब-लाचार हिंदुओं को लालच-प्रलोभन देकर ईसाई बनाने का धंधा जोरों पर था। स्वामी चिन्मयानन्द इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते थे। विश्व हिंदू परिषद की स्थापना के समय स्वामी चिन्मयानन्द ने कहा था, '' जिस दिन प्रत्येक हिंदू जागृत होगा और उसे अपनी हिंदू पहचान पर गर्व होगा, उस दिन परिषद का कार्य पूर्ण हो जाएगा! एक बार हिंदू अपने हिंदू धर्म में वापस आ गए तो फिर सब ठीक हो जाएगा।''

उपनिषद, गीता और आदि शंकराचार्य के 35 से अधिक ग्रंथों पर इन्होंने व्याख्याएं लिखी थी। 'गीता' पर लिखा गया उनका भाष्य सर्वोत्तम माना जाता है।

हिंदू धर्म और उसके दर्शन के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले स्वामी चिन्मयानन्द 3 अगस्त, 1993 को महासमाधि प्राप्त कर सांसारिक जीवन से मुक्त हो गए।

संपादक : आपको विश्वास है पूरा ?

स्वामी जी : बिल्कुल विश्वास है, ये सब वापस आएंगे।

संपादक : हिंदू समाज जातियों में बंटा हुआ है। आपने समाज में जागृति तथा एक होने वाली बात कही है। यह संभव लगती है क्या हिंदू समाज में?

स्वामी जी : देखिए संभावना की कोई लिमिट नहीं, कोई सीमा नहीं।

संपादक : जातीय गौरव पिछले चुनाव में बहुत उभरकर आया।

स्वामी जी : *जातीय गौरव से पहले हमारा हिंदुत्व का गौरव होना चाहिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि हम लोग जाति को छोड़ दें, लेकिन हम लोग सबसे पहले तो हिंदू हैं।* एक पुरुष शरीर में हाथ का कार्य अलग, पैर का कार्य अलग, लेकिन पूरा शरीर ही एक दूसरे का पूरक है। हाथ पैर का विरोध नहीं करता, पैर सिर का विरोध नहीं करता है। जब तक हम एक बॉडी के रूप में, एक शरीर के रूप में नहीं आएंगे तब तक हम लोग आगे नहीं बढ़ पाएंगे। *आप जातीय रहिए लेकिन सबसे पहली बात तो यह है कि अगर हिंदू धर्म नहीं रहेगा तो जाति भी नहीं रहेगी। जब तक धर्म रहेगा तब तक देश रहेगा, तब तक जाति रहेगी।* सबका अपना स्थान है लेकिन मुख्य शरीर को खत्म नहीं करना चाहिए।

संपादक : आज देश में जो वातावरण है उसको देखते हुए आप क्या संदेश देना चाहेंगे समाज और युवाओं को ?

स्वामी जी : समाज को संदेश यही कि चरित्र ठीक रखें। माता पिता का आदर करें, गुरुओं का आदर करें। आजकल के बच्चे बस पढ़ाई-पढ़ाई करते रहते हैं। उनको डॉक्टर

बनना है, इंजीनियर बनना है। जिस बच्चे से माता-पिता को सुख नहीं मिलता है, भले ही वह आगे बढ़ जाए लेकिन जीवन में सुखी नहीं रहेगा, चाहे करोड़पति हो जाए वह। उसको माता-पिता का चरण स्पर्श करना चाहिए। राम जी ने हमको यही सिखाया है। दूसरी चीज, भगवान में विश्वास रखना चाहिए। जीवन कठिन है। उनको लगता है कि पढ़-लिख लिया थोड़ा सा, तो हम बहुत बड़े हो गए, बड़े बड़े पैकेज मिल गए उनको, लेकिन जब तक आशीर्वाद नहीं मिलेगा, हम लोग कृतज्ञता वापिस नहीं करेंगे, तब तक भगवान प्रसन्न नहीं रहेंगे। बच्चों का सबसे बड़ा धर्म पढ़ाई लिखाई ही नहीं है, सबसे बड़ा धर्म बड़ों का आदर और सेवा होती है। पढ़ाई लिखाई तो सेवा करने का एक टूल होता है, एक यंत्र है कि वह अच्छे डॉक्टर बन कर सेवा ज्यादा करेंगे। लेकिन यहां जो हमारा रूट (जड़) जहां से हमको सब कुछ मिला है, अगर हम वहीं कृतज्ञ नहीं रहेंगे तो कहां से हमको सब कुछ मिलेगा? कोई भी व्यक्ति जिसने माता-पिता व गुरुओं का अनादर किया है या कोई देश, वहां कभी शांति रहेगी नहीं, चाहे जितना भी ऊपर चला जाए, बढ़ जाए।

हमारा यही कहना है कि आदर करें, उनको यथा स्थान दें और अगर माता-पिता कुछ बोल भी दें बुरा, तो उसको चुप रहकर सह लें। जब बड़ों को स्थान छोटे नहीं दे तो तो छोटो को भी स्थान बड़ों से नहीं मिलता है। जो पहले फैब्रिक (ताना-बाना) था, वो टूट रहा है। यह कभी नहीं होना चाहिए। जब हमारा एक घटक अच्छा नहीं रहेगा तो समाज टूट जाएगा। जब हम टूटते हैं तो समाज टूट जाता है। अंदर से व्यक्ति जब बंधा रहता है तो बाहर से समाज को बांध पाता है। इसलिए सबको आना चाहिए जहां भी इस तरह का कार्यक्रम हो यूथ को ज्यादा इन्वॉल्ब (सक्रिय) करना चाहिए।

आप पाथेय कण के माध्यम से बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं। लगभग 40 वर्षों से लगातार आप की पत्रिका चल रही है, हमें बहुत सुखद आश्चर्य होता है। हमारा साधुवाद है। ■

हिंदू को हिंसक बताने के बयान पर देश भर में विरोध के स्वर उभरे

संसद में हिंदू को हिंसक, नफरत भरा और असत्य बोलने वाला बताने पर राहुल गांधी का देशभर में विरोध किया जा रहा है।

राजस्थान के कई शहरों सहित देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। उदयपुर, सवाईमाधोपुर, राजसमंद, देवली,टोंक, मध्य प्रदेश के खंडवा आदि कई स्थानों में राहुल गांधी का पुतला दहन कर रोष प्रकट करने की सूचना मिली है। राहुल गांधी से अपने बयान पर माफी मांगने की मांग की गई है। नई दिल्ली, जयपुर, पटना, मुजफ्फरपुर आदि स्थानों पर राहुल गांधी के विरुद्ध न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया गया है, पुलिस में शिकायत की गई है। पटना में नयी भारतीय न्याय संहिता की धारा 299, 302 व 356(1) के अंतर्गत शिकायत दर्ज कराई गई है।

कांग्रेस से निष्कासित नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने दावा किया है कि राहुल गांधी ने एक बैठक में कहा था कि उनकी सरकार बनती है तो वे सुपरपावर कमीशन बनाकर राममंदिर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट देंगे।

संतों ने खोला मोर्चा

राहुल गांधी के झूठे व अपमानजनक बयान के विरुद्ध जगह-जगह पर संत समुदाय विरोध में खड़ा हो रहा है, स्वामी अवधेशानंद गिरी ने राहुल के बयान की निंदा करते हुए कहा है कि राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणी से पूरे हिंदू समाज को कलंकित व अपमानित किया है। स्वामी बालयोगी अरुणपुरी ने राहुल के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए माफी मांगने को कहा है।

राहुल गांधी के हिन्दुओं वाले बयान पर अयोध्या के संत नाराज हैं। 5 जुलाई को संतो-महंतों ने सभा बुलाई जिसमें निर्णय किया गया कि राहुल को अयोध्या में घुसने नहीं दिया जाएगा। उन्हें हिन्दुत्व का ज्ञान लेना है तो अयोध्या आएं, संतों के चरणों में बैठकर ज्ञान प्राप्त करें, फिर बयानबाजी करें। संतों का कहना कि राहुल बालक बुद्धि है, मूर्ख है, विपक्ष के नेता रहने लायक नहीं है। हिंदू हिंसक हो ही नहीं सकता।

महंत गौरी शंकरदास ने कहा कि राहुल के बयान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनके अयोध्या में प्रवेश पर प्रतिबंध लगना चाहिए। हमारे बैरी बहुत दुष्ट प्रवृत्ति के हैं, इसलिए सतर्क रहने की आवश्यकता है। महंत अवधेश कुमार दास ने कहा कि राहुल जनेऊ पहनकर ढोंग करते हैं। जवाहर लाल नेहरू के नाम के आगे पंडित लगाना ही गलत है। रंगमहल पीठाधीश्वर महंत रामशरण दास ने कहा कि हिंदुओं को हिंसक कहना हमारे राम, संस्कृति और देश का अपमान है। राहुल के मंदिरों में प्रवेश पर रोक लगा देनी चाहिए। गत 10 जुलाई को जयपुर के पिंकसिटी प्रेस क्लब में सर्व समाज आक्रोश सभा में राहुल गांधी की हिंदू विरोधी टिप्पणी को अभद्र, अशोभनीय तथा धर्म का मजाक बताया गया। कहा गया कि अगर राहुल ने माफी नहीं मांगी तो हिंदू समाज बड़ा आंदोलन करेगा। कर्नल देवआनंद गुर्जर ने कहा कि राहुल को कानून के तहत जेल भेजा जाना चाहिए। ■

हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण : संघ

संसद में जिम्मेदार, महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों द्वारा हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना अत्यंत दुर्भाग्यजनक है, हिंदुत्व चाहे विवेकानन्द का हो या गांधी का वह सौहार्द व बंधुत्व का परिचायक है। हिंदुत्व के बारे में ऐसी प्रतिक्रिया ठीक नहीं है। – ***सुनील आंबेकर,*** *अ.भा.प्रचार प्रमुख, रा.स्व.संघ*

राजकुमार रोत के 'आदिवासी हिन्दू नहीं' वाले बयान पर
फूटा सकल आदिवासी समाज का गुस्सा

सांसद राजकुमार रोत के 'आदिवासी हिंदू नहीं हैं' वाले बयान के विरोध में आदिवासी (जनजातीय) समाज की ओर से जोरदार नाराजगी और विरोध प्रकट किया जा रहा है।

गत 3 जुलाई को डूंगरपुर में सकल आदिवासी समाज की ओर से राजकुमार रोत के बयान के विरोध में प्रदर्शन किया गया। कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली गई जिसमें सांसद रोत के विरुद्ध जमकर नारेबाजी हुई और आदिवासी समाज से माफी मांगने की मांग की गई। रैली में कहा गया कि आदिवासी हमेशा से ही सनातनी रहा है। आदिवासी ही असली हिंदू है जो हिंदू धर्म का संरक्षण करता आ रहा है। आदिवासी समाज के संत सती सुरमाल दास, गोविन्द गुरु जैसे महापुरुषों ने धर्म व संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम किया है। इसके बाद आदिवासी सकल समाज की ओर से कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

झेलाना धुनी के महंत गोपाल खराड़ी ने कहा कि राजकुमार रोत को अपने मतलब की राजनीति करने के लिए आदिवासी समाज को बीच में नहीं लाना चाहिए। वे आदिवासी समाज को तोड़ने का काम कर रहे हैं। आदिवासी समाज सदियों से जय गुरु महाराज, राम-राम और जय सीताराम का अभिवादन करता हुआ आया है। सदियों से आदिवासी समाज शिवजी व राम की पूजा करता

त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में सांसद राजकुमार रोत

हुआ आया है। राजकुमार रोत के बयान से पूरे देश के आदिवासी आहत हुए हैं, उन्हें समाज में सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

डूंगरपुर से जनजातीय समाज के बंशीलाल ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें सांसद राजकुमार रोत त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में जाकर देवी की मूर्ति के सामने हाथ जोड़ कर बैठे दिखाई दे रहे हैं। पुजारी उनके ललाट पर तिलक लगा रहे हैं।

वीडियो में बंशीलाल कहते हैं कि सांसद राजकुमार रोत का दोहरा चरित्र समाज के सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि रोत की कथनी और करनी में अन्तर है। रोत को समाज से माफी मांगनी चाहिए।

आदिवासी प्रकृति पूजक सनातनी हैं। पुरखों की रीति-रिवाज व संस्कृति को मानने वाला, जो आदिदेव और माँ पार्वती को मानने वाला है।

सर्व समाज की जागरूकता से मामला हुआ दर्ज
पहले भीलवाड़ा अब कोटा की संघ शाखा पर हमला

बीती 28 जून को कोटा की संघ शाखा पर कुछ मुस्लिम युवकों ने हमला किया। घटना विज्ञान नगर थाना क्षेत्र के ऊधम सिंह पार्क की है जहां शाखा में 8 से 14 वर्ष तक के बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान 8-9 की संख्या में मोटरसाइकिलों से आए मुस्लिम युवकों ने पहले पथराव किया फिर मारपीट कर भाग गए। इस हमले में कुछ बाल स्वयंसेवक घायल भी हुए।

इस घटना के विरोध में थाने पर सर्व हिंदू समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर शाखा पर हमला करने वाले असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इससे पूर्व 23 जून को भीलवाड़ा में भी संघ शाखा पर हमला हुआ था।

मात्र पाँच दिनों में इस प्रकार की दूसरी घटना सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा दिखाई दे रही है। पुलिस व प्रशासन को ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति होने से रोकना चाहिए।

क्या भारत में भी है एक मुस्लिम राष्ट्र ?

पश्चिम बंगाल के विधायक ने कहा, "हमारे मुस्लिम राष्ट्र में ऐसा ही होता है"

एक अत्यंत चौंकाने वाला समाचार पिछले दिनों पश्चिम बंगाल से आया।

गत 28 जून को उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा विधानसभा क्षेत्र में एक गांव के चौराहे पर एक महिला को अवैध प्रेम प्रसंग के आरोप में डंडे से बुरी तरह पीटा गया। पीटने वाला था वहां के विधायक हमीदुर्रहमान का दाहिना हाथ तथा तृणमूल पार्टी का स्थानीय नेता ताजिमुल इस्लाम जिसे जेसीबी भी कहा जाता है। जब विधायक हमीदुर्रहमान से इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा," मुस्लिम राष्ट्र के हिसाब से कुछ संहिता और न्याय होते हैं। हमारे मुस्लिम राष्ट्र में ऐसी महिलाओं का ऐसा ही न्याय होता है।"

बताया जाता है कि प.बंगाल में अवैध न्यायालय लगाकर बिना किसी कानूनी आधार पर निर्णय दिया जाता है। इन अवैध न्यायालयों को 'सालिसी सभा' (या कंगारू अदालत) कहा जाता है जहां मुस्लिम कानून के आधार पर निर्णय देने की बात सामने आई है। जेसीबी के नाम से कुख्यात तृणमूल नेता ताजिमुल ऐसी अवैध अदालत लगा कर स्वयं ही निर्णय करते हुए स्वयं ही उन्हें लागू करता रहता है। उसने इसे अपना धंधा बना लिया। सरकारी वकील संजय भवाल के अनुसार ताजिमुल के विरुद्ध हत्या सहित एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

सालिसी सभा द्वारा गैर कानूनी अमानवीय कार्रवाई की यह अकेली घटना नहीं है। इससे पूर्व बीरभूम जिले के लालपुर में सालिसी सभा द्वारा एक आदिवासी युवती के जुर्माना नहीं देने पर सामूहिक बलात्कार करने का आदेश दिया गया था। पश्चिम मिदनापुर जिले के दांतन इलाके में एक महिला के सिर के बाल काट कर अर्धनग्न हालत में गांव में घुमाया गया। पूर्व मिदनापुर, मालदह एवं मुर्शिदाबाद जिले में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं।

सालिसी सभा जैसे अवैध न्यायालय द्वारा अमानुषिक निर्णय और सजा देना तो घोर निंदनीय है ही, परंतु सबसे ज्यादा चिंता की बात है- इन अवैध अदालतों द्वारा शरिया के नाम पर फैसला करना और वहां के विधायक द्वारा यह कहना कि हमारे मुस्लिम राष्ट्र में महिला का ऐसा ही न्याय होता है। इस घटना पर तथाकथित मानवाधिकार और लोकतंत्र के झंडाबरदार नेताओं का चुप रहना संदेह उत्पन्न करता है।

तृणमूल के मुस्लिम विधायक के मुँह से 'मुस्लिम राष्ट्र' की बात अनायास ही नहीं निकली है। देश के कई मुस्लिम संगठन लगातार यह कहते रहे हैं कि भारत को इस्लामी राष्ट्र बनाना अब दूर की बात नहीं है। भारत से भागे मुस्लिम नेता जाकिर नाइक कहते रहे हैं कि भारत में हिंदुओं की जनसंख्या 60 प्रतिशत ही रह गई है, इसलिए इस्लामी राष्ट्र का सपना सच होना दूर नहीं है। प्रतिबंधित संगठन पीएफआई का तो संकल्प ही है भारत को 2047 तक इस्लामिक राष्ट्र बनाना।

प्रश्न यह है कि देश की 78 प्रतिशत हिंदू आबादी क्या सोच रही है? विपक्ष के सारे दल हिंदू को जातियों में बांटने में लगे हैं। सेकुलरिज्म के नाम पर हिंदू नेताओं ने यदि इन बातों को हल्के में लिया और देश का मतदाता इस दृष्टि से सजग नहीं हुआ तो परिणाम विनाशकारी भी हो सकते हैं। (राम)

महिला संगठनों ने विरोध में दिया ज्ञापन

देशभर के महिला संगठनों ने प.बंगाल में महिलाओं के साथ हुए अनाचार-अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठाते हुए तुरंत कार्रवाई किए जाने हेतु भारत के गृहमंत्री के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन देने के समाचार हैं। राजस्थान के नागौर, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा आदि स्थानों पर राष्ट्र सेविका समिति, नारी चेतना मंच, मरुधरा महिला मंच, अहीछत्र वीरा महिला मंडल, चैतन्य मातृशक्ति, माहेश्वरी महिला समिति, साधु मार्गी जैन महिला मोर्चा आदि के द्वारा ऐसे ज्ञापन दिए गए। महिला संगठनों ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के लिए बंगाल सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की और प्रदर्शन भी किया।

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली, कूच बिहार उत्तर दिनाजपुर (चोपड़ा) आदि स्थानों पर जिहादी मानसिकता वाले तृणमूल पार्टी के नेताओं द्वारा महिलाओं के साथ शर्मनाक व्यवहार, बलात्कार, मारपीट आदि करने और उसे 'मुस्लिम राष्ट्र और उसका न्याय' बताकर उचित ठहराने की घटनाओं की निंदा की गई ।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में छत से पानी टपकने की बात सरासर झूठ

पिछले दिनों अयोध्या स्थित भगवान राम के नव निर्मित मंदिर की छत से पानी टपकना मीडिया में चर्चा का विषय बना, जो एकदम झूठा विवाद का विषय था। इसी को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव श्री चंपतराय ने (बीती 26 जून को) विस्तार से बताया कि मंदिर में कहीं कोई पानी नहीं टपक रहा है और न ही गर्भगृह में किसी तरह का जल जमाव है।

उन्होंने बताया कि सामान्यतया पत्थरों से बनने वाले मंदिर में बिजली के कन्ड्युट एवं जंक्शन बॉक्स का कार्य पत्थर की छत के ऊपर होता है एवं कन्ड्युट को छत में छेद करके नीचे उतारा जाता है जिससे मंदिर के भूतल की छत की लाइटिंग होती है। ये कन्ड्युट एवं जंक्शन बॉक्स ऊपर के फ्लोरिंग के दौरान वाटर टाईट करके सतह में छुपाई जाती है।

चूंकि प्रथम तल पर बिजली, वाटर प्रूफिंग एवं फ्लोरिंग का कार्य प्रगति पर है अत: सभी जंक्शन बॉक्सेज में पानी प्रवेश कर वही पानी कंड्यूट के सहारे भूतल पर गिरा। देखने पर यह प्रतीत हो रहा था की

छत से पानी टपक रहा है, जबकि यथार्थ में पानी कंड्यूट पाइप के सहारे भूतल पर निकल रहा था। उपरोक्त सभी कार्य शीघ्र पूरा हो जाएगा। प्रथम तल की फ्लोरिंग पूर्णत: वाटर टाइट हो जाएगी और किसी भी जंक्शन से पानी का प्रवेश नहीं होगा, फलस्वरूप कन्डयुट के जरिए पानी नीचे तल पर भी नहीं जाएगा।

मन्दिर एवं परकोटा परिसर में बरसात के पानी की निकासी का सुनियोजित तरीके से उत्तम प्रबंध किया गया है। पूरे श्रीराम जन्मभूमि परिसर को बरसात के पानी के लिए बाहर शून्य वाटर डिस्चार्ज हेतु प्रबंधन किया गया है तथा जन्मभूमि परिसर में बरसात के पानी को अन्दर ही पूर्ण रूप से रखने के लिये रिचार्ज पिटो का भी निर्माण कराया जा रहा है ।

मानवता का अनुकरणीय उदाहरण

गाय को प्रसव पीड़ा हुई और वह हाईवे पर ही निढ़ाल होकर बैठ गई। अब किसी वाहन का हॉर्न काम नहीं आने वाला था। आसपास में कोई 'सयाना' भी नहीं कि इस स्थिति से निबट सके। ऐसे में पुलिस थाना शाहबाद (बारां) के थानाधिकारी प्रेम सिंह और हैड कांस्टेबल सुमेर सिंह ने मोर्चा संभाला। दोनों ने न केवल गाय का सकुशल प्रसव करवाया बल्कि गाय और बच्चे को हाईवे से सुरक्षित हटाकर हाईवे को फिर से शुरू करवाया। पुलिस की नौकरी में ऐसे अनेक अनूठे अवसर आते हैं जो

यादगार बन जाते हैं। घटना नेशनल हाईवे 27 पर गांव मामोनी के पास की है।

जेएनयू में 'हिंदू अध्ययन केन्द्र'

हिंदू संस्कृति, दर्शन और भारत विरोध का केन्द्र बन चुकी दिल्ली की जेएनयू (जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी) में 'हिंदू अध्ययन केन्द्र' की स्थापना की जा रही है। नई शिक्षा नीति तथा भारतीय ज्ञान पद्धति के संदर्भ में गठित की गई समिति की इस संबंध में की गई अनुशंसा स्वीकार कर ली गई है।

यह वही विश्वविद्यालय है जहां- 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसे नारे लगाए गए थे तथा महिषासुर मर्दिनी दुर्गा का उत्सव मनाने की जगह महिषासुर को महिमामंडित करने जैसे कार्यक्रम होते रहे हैं। ऐसे में 'हिंदू अध्ययन केन्द्र' प्रारम्भ करने का निर्णय स्वागत योग्य है। इसके लिए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित भी बधाई की पात्र हैं।

हम सबके भीतर है हिंदुत्व, बस उसको पहचानने की आवश्यकता है- डॉ.भागवत

माधव सेवा विश्राम सदन का हुआ लोकार्पण

देवभूमि ऋषिकेश में, भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा निर्मित माधव सेवा विश्राम सदन का बीती 3 जुलाई को संघ के सरसंघचालक डॉ.मोहन जी भागवत ने लोकार्पण किया।

संघ के सरसंघचालक मोहन जी भागवत ने इस अवसर पर कहा कि **हम सबके भीतर हिंदुत्व है, बस उसको पहचानने की आवश्यकता है। यह भाव संस्कृति, संस्कार, वेशभूषा या किसी भी रूप में हो सकता है, यदि हम इस भाव के साथ एकजुट हो जाएं तो राष्ट्र की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता।**

भागवत जी ने कहा कि सेवा को धर्म कहा गया है। सेवा धर्मो-परम गहनो... धर्म वह है जो समाज को जोड़ता है, बांधता है, ऊपर उठाता है, उन्नत करता है, बिखरने नहीं देता, केवल संपर्क-नेटवर्किंग नहीं होता है, वो है एक-दूसरे के मन को जानना। इसे संपर्क कहा गया है। **लोक संग्रह की पहली सीढ़ी है लोक संपर्क। दूसरी सीढ़ी है लोक संस्कार और तीसरी सीढ़ी है लोक योजना। लोक सेवा लोक संग्रह के लिए ही की जाती है।** सेवा किसी पर उपकार नहीं है। जब कहते हैं कि सेवा पुण्य का काम है तो पुण्य करने से जीते

जी जीवन पृथ्वी पर स्वर्ग बन जाता है। सेवा करने से सारे पाप स्खलित हो जाते हैं।

इस सदन में 430 लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। ऋषिकेश एम्स में इलाज कराने आने वाले रोगियों, उनके सहायकों और परिजनों के लिए यह एक अत्यंत सुविधाजनक स्थान है। यहां 10 रुपए में नाश्ता और 30 रुपये में भोजन (थाली) तथा 55 से 75 रुपये में डॉरमेट्री मिलेगी। यहां अधिकतम 14 दिन तक रुका जा सकता है।

माधव सेवा विश्राम सदन में न केवल ठहरने की बल्कि योग साधना, सत्संग, और बच्चों के खेलने की व्यवस्था भी की गई है। मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यहां पुस्तकालय और टीवी लाउंज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। भोजन कक्ष में एक साथ 100 व्यक्ति बैठकर भोजन कर सकते हैं। न्यास द्वारा लखनऊ, पटना, दिल्ली में विश्राम केन्द्र पहले से संचालित हैं।

सेवा न्यास : एक परिचय

संघ के सह-सरकार्यवाह रहे भाऊराव देवरस के नाम पर गठित सेवा न्यास का उद्देश्य आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की शिक्षा और स्वास्थ्य की आवश्यकताओं को पूरा करना और उनका स्तर सुधारना है। न्यास के माध्यम से इन्हें समाज के अन्य लोगों के समकक्ष लाने का प्रयास है। न्यास के द्वारा दिव्यांगजन और पर्यावरण के क्षेत्र में भी कार्य किया जा रहा है। सरस्वती एकल विद्यालय का संचालन एवं प्रतिवर्ष न्यास द्वारा समाज सेवा में अपना विशिष्ट योगदान देने वाले सज्जन को सम्मानित किया जाता है।

आरिफ ने अभिषेक बन हिंदू युवती से दोस्ती कर निकाह करने का किया प्रयास

उदयपुर शहर के बड़गांव थाना क्षेत्र में लव-जिहाद का मामला सामने आया है। एक युवती की माँ ने मुस्लिम युवक आरिफ मोहम्मद के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। जिसके अनुसार आरिफ ने अपना नाम अभिषेक शर्मा बताकर उसकी पुत्री से दोस्ती की तथा अपने जाल में फंसाकर, डरा धमकाकर विवाह पंजीयन के लिए प्रार्थना पत्र तक पेश कर दिया था। (4 जुलाई, 2024)

ईसाई धर्म में मतांतरण का मामला

भरतपुर शहर में फिर से ईसाई धर्म में मतांतरित करने का एक सेंटर पकड़ा गया है। इस मकान से बीस लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि मकान के अंदर मतांतरण का कार्य चल रहा था। (5 जुलाई, 2024)

चौमू में भी प्रार्थना सभा के नाम पर ईसाई रिलीजन में गरीब हिंदुओं को मतांतरित करने का मामला सामने आया है। आक्रोशित भीड़ ने किया हंगामा। लोगों ने बताया कि सत्येन्द्र स्टीफन इस तरह का आयोजन प्रत्येक रविवार को करता है। (4 जुलाई, 2024)

सीमाओं की रक्षा हेतु भारत ने बनाई छोटी पनडुब्बी, लड़ाकू टैंक और घातक रॉकेट

एरोवाना : रक्षा क्षमताओं में अभूतपूर्व उपलब्धि

भारत की समुद्री रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बीती 15 मई को रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने एरोवाना (छोटी पनडुब्बी) का अनावरण किया। यह भारत की पहली स्वदेशी तकनीक से निर्मित अत्याधुनिक मिडगेट पनडुब्बी है, जो पानी के नीचे अद्वितीय सटीकता और क्षमता के साथ गुप्त सैन्य अभियानों को अंजाम देने के लिए भारतीय नौसेना के इंजीनियरों के कौशल का परिणाम है। इसके अलावा यह पनडुब्बी शत्रु तटों पर गुप्त रूप से लड़ाकू तैराक टीमों को उतारने में माहिर है। यह गुप्त कमांडो ऑपरेशन और दुश्मन के जहाजों पर हमले करने में सक्षम है। इसका उपयोग समुद्री बारूदी सुरंग लगाने के लिए भी किया जा सकेगा।

मिडगेट सबमरीन का वजन 150 टन है। इस सबमरीन में एक बार में ज्यादा से ज्यादा 9 लोग बैठ सकते हैं। मिडगेट सबमरीन का इस्तेमाल केवल सैन्य अभियान तक ही नहीं होगा बल्कि इसको व्यापारिक तौर पर भी इस्तेमाल किया जायेगा। इसके जरिये साइंटिफिक रिसर्च समुद्र के अंदर पर्यटन के लिए भी किया जा सकेगा।

चैफ रॉकेट : दुश्मन के रडार को देगा चकमा

भारतीय नौसेना को एक और घातक रॉकेट मिला है। इसका नाम माइक्रोवेव आब्स्क्यूरेंट चैफ है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने 26 जून को इसे भारतीय नौसेना को सौंपा, यह मिडिल रेंज का रॉकेट है। इसकी खास बात यह है कि यह दुश्मन के रडार में नहीं आता। यही वजह है कि यह दुश्मन के रडार को चकमा देते हुए हमला करने में सक्षम है।

इसे डीआरडीओ की जोधपुर लैब में विकसित किया गया है। जब इस रॉकेट को दागा जाता है तो यह अपने चारों तरफ खास तरह के कवच का निर्माण करता है जो रेडियो फ्रीक्वेंसी पकड़ने वाले उपकरणों को चकमा देता है।

भविष्य के खतरों को देखते हुए ऐसी उन्नत तकनीक से निर्मित पनडुब्बियों, रॉकेट तथा टैंक का विकास भारत के रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक, आत्मनिर्भरता और समुद्री प्रभुत्व में मील का पत्थर है। ■

जोरावर टैंक : चीनी सैनिकों की फूल जाएंगी सांस, छिपे हुए दुश्मनों को मारने में माहिर

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने 6 जुलाई को गुजरात के हजीरा में अपने स्वदेशी हल्के लड़ाकू टैंक 'जोरावर' का सफल परीक्षण किया। इसे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी तैनाती का मुकाबला करने के लिए पूर्वी लद्दाख में भारतीय सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है।

अपने हल्के वजन और उभयचर (जल और थल दोनों में चलने में सक्षम) क्षमताओं के कारण, जोरावर भारी टी-72 और टी-90 टैंको की तुलना में कहीं अधिक आसानी से पहाड़ों की खड़ी चढ़ाई पार कर सकता है और नदियों और अन्य जल निकायों को पार कर सकता है। डीआरडीओ प्रमुख के अनुसार इस टैंक को 2027 तक भारतीय सेना में शामिल किए जाने की उम्मीद है।

इस टैंक का नाम 19वीं सदी के डोगरा जनरल जोरावर सिंह के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने लद्दाख और पश्चिमी तिब्बत में सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया था। यह हल्के टैंक लद्दाख जैसे ऊँचाई वाले क्षेत्रों में भारतीय सेना को युद्ध क्षमता प्रदान करने में सक्षम है।

एक पूर्व मुस्लिम के अनुभव

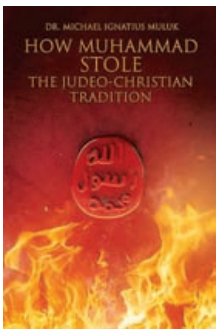

जर्मनी में रह रहे, इस्लाम छोड़ चुके डॉ.माइकल मुलुक (How Muhammad Stole the Judeo-Christian Tradition पुस्तक के लेखक) कोरा पर अपनी एक पोस्ट में लिखते हैं, मैं वयस्क होने तक मुस्लिम था। शादी के समय भी मुस्लिम था। मैं जर्मनी में अपेक्षाकृत उदार माता-पिता के घर पैदा हुआ दूसरी पीढ़ी का तुर्की आप्रवासी हूं। माँ ने हिजाब नहीं पहना था, सिर्फ सिर पर स्कार्फ पहनती थीं। किसी भी परिभाषा के अनुसार मेरे माता-पिता मजहबी कट्टरपंथी नहीं थे। वे उतने ही सेकुलर थे जितना उस समय कोई उदारवादी मुसलमान होता। फिर भी, मुझे सिखाया गया कि कुछ चीजें समझौता योग्य नहीं हैं, मुझे इनके लिए खड़ा होना होगा, भले ही इसके लिए प्रक्रिया में हिंसक होना पड़े- जैसे यदि कोई इस्लाम का अपमान करता है, पैगंबर का मजाक उड़ाता है या आपकी आस्था का सम्मान नहीं करता। इसका असर यह हुआ कि जब मैं अपनी कक्षा के साथ फील्ड ट्रिप पर गया और वहाँ मुझे हलाल भोजन नहीं मिला, तो मैं नाराज हो गया। मैंने मोहम्मद के बारे में एक गंदी कविता सुनाने के लिए प्राथमिक कक्षा में एक जर्मन बच्चे को बुरी तरह पीटा। एक अन्य अवसर पर जब गलती से हमें गैर-हलाल भोजन परोसा गया तो मैं और अन्य तुर्की लड़के हॉस्टल के कर्मचारियों पर क्रोधित हो गए। जब सलमान रुश्दी ने अपनी पुस्तक प्रकाशित की तो मैं एक प्रदर्शन में भी गया, पूरी तरह से क्रोधित होकर। लेकिन शादी करने और घर बसाने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं तो यह भी नहीं जानता कि ये मोहम्मद वास्तव में कौन थे।

मैंने कुरान को कई बार पढ़ा, फिर भी मेरे पास मोहम्मद कौन थे, इसकी कोई सुसंगत तस्वीर नहीं थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि मुझे हलाल भोजन क्यों खाना चाहिए, सिवाय इसके कि 'यह कुरान में है' या सलमान रुश्दी की पुस्तक 'खराब' क्यों थी? पारंपरिक मुस्लिम परिवार पूछताछ की संस्कृति को बढ़ावा नहीं देते हैं। आप वैसा ही करें जैसा आपसे कहा गया है। आप से कहा जाता है कि आप इस्लाम और पैगंबर के सम्मान और अप्रत्यक्ष रूप से अपनी संस्कृति और अपनी विरासत की रक्षा करें। हम मुसलमानों को औसत पश्चिमी लोगों की तुलना में अधिक क्रोधी होने के लिए पाला गया है और यह बहुत बड़ी समस्या है।

शायद इसीलिए आमतौर पर देखा गया है कि बहुसंख्य हिंदू परिवारों के बीच एक मुस्लिम परिवार अपनी सभी आस्थाओं का पालन करते हुए आराम से रहता है, लेकिन बहुसंख्यक मुस्लिम परिवारों के बीच एक हिंदू परिवार सुरक्षित नहीं होता।

इस्लामिक कट्टरवाद से परेशान होकर अपनाया सनातन धर्म

विदेश ही नहीं देश में भी इस्लामी मान्यताओं को ठुकराने वाले मुसलमानों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। इस्लामिक कट्टरता, तलाक, हिजाब और हलाला जैसी कुप्रथाओं से परेशान होकर मुस्लिम समाज के करीब 35 लोगों ने बीते दिनों इस्लाम का परित्याग करते हुए सनातन धर्म को अंगीकार किया।

घर वापसी की यह घटना मध्यप्रदेश के इंदौर शहर की है जहां स्थानीय खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से सभी ने हिंदू धर्म अपनाया। इंदौर के स्थानीय प्रशासन को एक शपथ पत्र भी दिया जिसमें उन्होंने बताया कि वे बिना किसी दबाव के हिंदू धर्म अपना रहे हैं। पूजा-हवन के पश्चात् रजिया को रानी, रईस को राजू और मुबाकर को मनीष जैसे सभी को सनातनी नाम दिए गए। हिंदू धर्म अपनाने वालों में धार, देवास, मंदसौर व इंदौर के महिला, पुरुष व बच्चे शामिल हैं। पूर्व राज्यमंत्री सेम पावरी ने बताया कि सभी लोगों ने विश्व हिंदू परिषद से सम्पर्क कर सनातनी बनने की इच्छा जाहिर की थी। धर्म परिवर्तनकर्ताओं का कहना था कि मुस्लिम महिलाएं अब कट्टरपंथी सोच का खुलकर विरोध कर रही हैं, हलाला व तीन तलाक के कारण दिन-रात बढ़ते झगड़ों से वे परेशान हो चुकी है इसलिए उन्होंने यह निर्णय लिया है।

शर्म है कि आती नहीं

गोवंश के साथ किया इरशाद ने दुष्कृत्य

राजस्थान अभी तक गोतस्करी के लिए कुख्यात था, लेकिन अब प्रदेश में गोवंश के साथ दुष्कृत्यों के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। बीती 30 जून को अजमेर जिले में गोवंश के साथ दुष्कृत्य की दो अलग अलग घटनाएं सामने आईं।

अजमेर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के घुघरा में बाड़े में बंधी गाय के मालिक गोरधन गहलोत ने दुष्कृत्य करने वाले युवक को पकड़ लिया, पूछताछ में उसने अपना नाम इरशाद बताया। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर आरोपी इरशाद को गिरफ्तार किया। इरशाद पिछले 15 दिन से गाय के साथ कुकृत्य कर रहा था।

इसी प्रकार अलवर के सेंट थॉमस स्कूल के पास एक व्यक्ति गाय के साथ अप्राकृतिक कृत्य करता पकड़ा गया।

राजस्थान के सरदारशहर, किशनगढ़, भिवाड़ी के अलावा हिमालच प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश आदि से भी इस प्रकार की घटनाएं होने के समाचार हैं।

मानसिक विक्षप्तता के इन दुष्कृत्यों को कब तक अनदेखा किया जाएगा।

भारत को 2047 तक कैसे समृद्ध बनाया जाए

स्वदेशी जागरण मंच ने दिए आठ सूत्र

लखनऊ में आयोजित स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद बैठक में चिंतन एवं मनन के पश्चात वर्ष 2047 तक समृद्ध भारत कैसे बनाया जाए, उसके लिए आठ सूत्र दिए गए। इन पर मंच अन्य सह वैचारिक संगठनों के साथ मिलकर समाज जागरण के माध्यम से आगामी वर्षों में कार्य करेगा। ये सूत्र हैं-

पूर्ण रोजगारयुक्त भारत, युवा गतिमान जनसंख्या, विश्व की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था, अभेद्य सुरक्षा तंत्र, विज्ञान एवं तकनीकी में अग्रणी, पर्यावरण हितैषी भारत, विश्व बंधुत्व का प्रबल प्रवक्ता तथा उच्च जीवन मूल्यों का प्रणेता।

इसके साथ ही बैठक में प्रचार माध्यमों से स्वदेशी विषयों का प्रचार-प्रसार तथा माइ एसबीए डिजिटल तंत्र व समाज के विभिन्न आर्थिक विमर्श व उद्यमिता का जैविक पथ जैसे विषयों पर 2 दिन का मंथन हुआ।

इस अवसर पर मंच के अ.भा.संगठक श्री कश्मीरीलाल जी ने बताया कि स्वदेशी का भाव मूल रूप से स्थानीय उत्पादों का प्रयोग एवं प्रोत्साहन करना ही है। जिला स्तर पर स्वदेशी उत्पाद सूची तैयार करने, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने तथा शोध-अनुसंधान पर भी जोर दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय बैठक में एक प्रस्ताव 'भारत की जनसंख्या बोझ नहीं अपितु वरदान' विषय पर एक जन अभियान चलाने तथा 'समृद्ध भारत- 2047' विषय पर दूसरा प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक को संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह वी.भगैया जी ने संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को पूर्ण मनोयोग से स्वदेशी भाव एवं स्वावलंबन के साथ देश के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रबोधन, जागरण के साथ क्रियान्वयन के लिए भी समाज को तैयार करना चाहिए। नीतिगत निर्णय सर्वजन हिताय हों इसका ध्यान भी करना होगा।

कुछ तो अपना रंग मुझ पर भी चढ़ने दीजिए

कुछ समय पहले की बात है। अपनी 8 वर्षीय पुत्री को स्कूल से घर वापस लाने तीन बजे स्कूल के गेट पर पहुंच गया था। तीन बजकर दस मिनट से जूनियर केजी के छात्र बाहर आना शुरू करते हैं जबकि सीनियर छात्र तीन बजे से। गेट पर अभिभावकों की भीड़ लगी थी। एकाएक तेज बारिश शुरू हो गई। सभी ने अपनी छतरी तान ली। मेरे बगल में एक सज्जन बिना छतरी के खड़े थे। मैंने शिष्टाचार वश उन्हें अपनी छतरी में ले लिया।

''गाड़ी से जल्दी जल्दी में आ गया, छतरी नहीं ला सका'' उन्होंने कहा। ''कोई बात नहीं, ऐसा हो जाता है।'' मैं बोला।

जब उनका बेटा रेन कोट पहने निकला तो मैंने उन्हें छाते से गाड़ी तक पहुंचा दिया। उन्होंने मुझे गौर से देखा और धन्यवाद कहकर चले गए।

कल रात में 9 बजे पाटिल साहब का बेटा आया।

अंकल गाड़ी की जरूरत थी। अनुभा की तबीयत बहुत खराब है। उसे डाक्टर के पास ले जाना है। ''चलो चलते हैं''

अंधेरी बरसाती रात में जब डाक्टर के यहां हम लोग पहुंचे तो दरबान गेट बंद कर रहा था। कम्पाऊंडर ने बताया कि डॉ. साहब अंतिम पेशेंट देख रहे हैं , अब उठने ही वाले है। अब सोमवार को नम्बर लगेगा।

मैं कम्पाउंडर से आज ही दिखाने का आग्रह कर ही रहा था कि डाक्टर साहब चैम्बर से घर जाने के लिए बाहर आए। मुझे देखा तो ठिठक गए फिर बोले, ''अरे आप आए हैं सर, क्या बात है?''

कहना नहीं होगा कि डाक्टर साहब वही सज्जन थे जिन्हें स्कूल में मैंने छतरी से गाड़ी तक पहुंचाया था।

डॉक्टर साहब ने बच्ची से मेरा रिश्ता पूछा।

''मेरे मित्र पाटिल साहब की बेटी है। हम लोग एक ही सोसायटी में रहते हैं।'' उन्होंने बच्ची को देखा, कागज पर दवा लिखी और कम्पाउन्डर को हिदायत दी, ''यह इंजेक्शन बच्ची को तुरंत लगा दो और दो-तीन दिन की दवा अपने पास से दे दो।''

मैंने एतराज किया तो बोले, ''अब कहां इस बरसाती रात में आप दवा खोजते फिरेंगे सर। कुछ तो अपना रंग मुझ पर भी चढ़ने दीजिए।''

बहुत कहने पर भी डॉ.साहब ने ना फीस ली, ना दवा का दाम, और अपने कम्पाउंडर से बोले,

''सर हमारे मित्र हैं, जब भी आयें तो आने देना।'' गाड़ी तक पहुंचाने आये और कहा,

''सर! आप जैसे निस्वार्थ समाजसेवी क्या इसी दुनिया में रहते हैं?''

निस्वार्थ सेवा करते रहिए शायद आप का रंग औरो पर भी चढ़ जाये, जिसे भी आवश्यकता हो नि:स्वार्थ सेवा भाव से उसकी मदद करें आपको एक विशिष्ट शांति प्राप्त होगी। ■

(लेखक : अज्ञात)

'चन्द्रयान' की टीम में भी थे विद्या भारती के 9 पूर्व छात्र

12094 विद्यालयों में पढ़ते हैं 34 लाख विद्यार्थी

भारतीय जीवन मूल्य केन्द्रित नई पीढ़ी के निर्माण में पिछले 72 वर्षों से निरंतर सक्रिय विद्या भारती शिक्षा संस्थान के 9 पूर्व छात्र मिशन-चंद्रयान की लीड टीम (मिशन की अगुवाई करने वाले दल) में थे। देश की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा-2023 में विद्या भारती के 16 पूर्व छात्रों ने स्थान प्राप्त किया। विद्या भारती के अध्यक्ष श्री डी.रामकृष्ण राय ने पिछले दिनों दिल्ली में एक प्रेसवार्ता के दौरान 4 जुलाई को यह जानकारी देते हुए बताया कि देश में 682 जिलों में 12 हजार 94 विद्यालयों का संचालन विद्या भारती द्वारा किया जाता है। इन विद्यालयों में लगभग 34 लाख छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इनको शिक्षित करने के लिए एक लाख 37 हजार शिक्षक बन्धु-बहिनें कार्यरत हैं। इनके अलावा 54 महाविद्यालय तथा एक विश्वविद्यालय भी विद्या भारती संचालित करती है।

बड़ी बात यह भी कि संविधान में उल्लेखित 22 भाषाओं में से 20 भाषाओं

के माध्यम से विद्या भारती शिक्षा का कार्य करती है।

वर्तमान नवीन शिक्षा नीति के अनुरूप पहले से ही विद्या भारती की शिशु वाटिका (नर्सरी) में बस्ता विहीन, परीक्षा विहीन, गृह कार्य विहीन, तनाव विहीन, गतिविधि आधारित शिक्षा पद्धति का अनुसरण किया जाता रहा है।

श्री रामकृष्ण राव ने बताया कि वर्ष 2024 की देशभर की हाई स्कूल (सेकेण्डरी स्कूल) परीक्षा की मेरिट लिस्ट में विद्या भारती के विद्यालयों में 2 हजार 755 छात्र-छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया है तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा मेरिट लिस्ट में 3 हजार 922 छात्रों ने स्थान प्राप्त किया है। बच्चों में देशभक्ति के साथ ही वैज्ञानिक समझ, रूचि तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए विद्या भारती सतत प्रयास करती रही है।

वर्तमान में विद्या भारती के 'पूर्व छात्र पोर्टल' पर 9 लाख 33 हजार से ज्यादा पूर्व छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। विद्या भारती के विद्यालयों में पढ़ चुके छात्र-छात्राएं समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में कार्यरत हैं।

राजस्थान के 47 प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

वर्ष 2024 की 10वीं तथा 12वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले राजस्थान में विद्या भारती विद्यालयों के 47 प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान गत 29 जून को जयपुर में किया गया। इस प्रतिभा सम्मान समारोह को विशिष्ट व उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह भी थी कि विद्यार्थियों के साथ ही उनके माता-पिता एवं संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य जी को भी मंच पर आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम विद्याश्रम स्कूल के महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित किया गया। कोटा(चित्तौड़ प्रांत) में भी इसी प्रकार से 76 विद्यार्थियों का सम्मान किए जाने के समाचार हैं।

रिसर्च रिपोर्ट : कम हुए गरीब भारत में गरीबी 21% से घटकर 8.5% पर पहुँची

आर्थिक रूप से जैसे-जैसे भारत की ताकत बढ़ रही है, देश की गरीबी में भी कमी आ रही है। पिछले 10-12 साल में देश में गरीबों की संख्या में तेजी से कमी आई है। इंडिया ह्यूमन डेवलपमेंट सर्वे (आइएचडीएस) की एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, भारत में गरीबी की दर वर्ष 2011-12 में 21 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-24 में केवल 8.5 प्रतिशत रह गई है। खास बात यह है कि यह उपलब्धि 2019 में आई कोरोना महामारी के बाद दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार आर्थिक मोर्चे पर तरक्की और गरीबी में कमी आने से एक गतिशील माहौल तैयार हुआ है।

रक्षाबंधन

हमारे पूर्वजों ने समाज में परस्पर स्नेह और समाज के मान बिंदुओं के रक्षण हेतु अनेक उत्सवों-पर्वों-त्योहारों की परम्परा प्रारम्भ की। प्रतिवर्ष श्रावण पूर्णिमा के दिन (इस बार 19 अगस्त) मनाया जाने वाला यह पर्व सामाजिक समरसता, राष्ट्र व समाज की रक्षा हेतु प्रेरणा देने वाला तथा अपने दैनंदिन व्यवहार में मर्यादित आचरण करने का भान कराता है।

रक्षाबंधन जिसे सामान्य बोलचाल की भाषा में राखी भी कहा जाता है, भाई-बहन के अटूट प्रेम को भी दर्शाता है तथा मातृशक्ति की सुरक्षा हेतु कर्तव्य बोध का भाव उत्पन्न करने के साथ ही समाज में समरसता निर्माण करने के लिए प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 6 उत्सवों में रक्षाबंधन को भी शामिल किया गया है। इस दिन संघ की शाखाओं पर सर्वप्रथम भगवा ध्वज को रक्षा सूत्र बांधकर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लिया जाता है। राष्ट्र के समक्ष वर्तमान चुनौतियों को हम समझें और उनसे जूझने की प्रेरणा हमें प्राप्त हो, यही भाव रक्षा सूत्र बांधने के पीछे रहता है। तदुपरांत स्वयंसेवक एक दूसरे को रक्षासूत्र बांधते हैं और पिछड़ी बस्तियों (सेवा बस्तियों) में जाकर वहां के बंधुओं के साथ राखी का पावन पर्व मनाते हैं, ताकि उपेक्षित बंधुओं को समाज की मुख्य धारा के साथ समीपता का अनुभव हो और उनका खोया हुआ आत्मविश्वास पुन: लौट सके।

इसी दिन पर्यावरण को लक्षित करके रक्षासूत्र बांधने के कार्यक्रम भी अनेक स्थानों पर किए जाते हैं। व्यापक अर्थ में राखी का यह पर्व सुरक्षा और सम्मान के सार्वभौमिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है, जो परिवार की सीमाओं से आगे बढ़कर पूरे देश व समाज के कल्याण का भाव उत्पन्न कराता है। यह पर्व हमें एक-दूसरे के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का भी अहसास कराता है।

(मनोज गर्ग)

उपन्यासकार अरुंधति रॉय पर चलेगा मुकदमा

उपन्यासकार अरुंधति राय ने एक देश विरोधी वक्तव्य दिया था,''कश्मीर कभी भारत का हिस्सा नहीं था और सशस्त्र बलों ने जबरन उस पर हमला किया है।'' अरुंधति अक्सर कश्मीर को भारत से अलग करने की बात भी करती रही है। इस देश विरोधी वक्तव्य के लिए उन पर मुकदमा किया जा रहा है।

लेखक बलवीर पुंज लिखते हैं, ''अरुंधति की कई पहचान हैं। सबसे पहले तो वह विशुद्ध वामपंथी है, जिसका चिंतन राष्ट्र के तौर पर भारत के अस्तित्व पर प्रश्न उठाता है और अपने मानस पिता कार्ल मार्क्स की तरह हिंदू-संस्कृति-परंपरा को मिट्टी में मिलाने में विश्वास करता है। यह जमात झूठ- अर्धसत्य का सहारा लेकर समाज में वैमनस्य फैलाने,भावनाएं भड़काने और असंतोष पैदा करने में माहिर है।''

अरुंधति ने 2 मई, 2002 को 'आउटलुक' में छपे एक लेख में सरासर झूठा दावा किया था कि गोधरा हत्याकांड के बाद गुजरात में हुए दंगों में तत्कालीन सांसद एहसान जाफरी की बेटी को दंगाइयों ने निर्वस्त्र कर जीवित जला दिया था, जबकि जाफरी की बेटी दंगे के समय अमेरिका में थी। बलवीर पुंज ने लिखा है कि अरुंधति रॉय मात्र एक उपन्यासकार न होकर, एक आला अर्बन-नक्सल है जिनकी अलगाववादियों से निकटता है।

(पंजाब केसरी, 20 जून, 2024)

मेधा पाटकर को पांच माह की सजा

दिल्ली की साकेत कोर्ट ने नर्मदा बचाओ आंदोलन की अगुआ मेधा पाटकर को एक आपराधिक मानहानि मामले में पांच साल कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10 लाख का जुर्माना भी लगाया है। ज्ञातव्य है कि 25 नवम्बर,2000 को पाटकर ने एक बयान में वीके सक्सेना (दिल्ली के मौजूदा उप राज्यपाल) पर हवाला के जरिए लेन-देन का आरोप लगाते हुए उन्हें कायर कहा था। तब सक्सेना अहमदाबाद स्थित काउंसिल फार सिविल लिबर्टीज नामक एनजीओ के प्रमुख थे।

सोशल मीडिया से

इस चेहरे से आप परिचित होंगे

जी हाँ, ये फिरोज जहांगीर गांधी के पोते, राबर्ट वाड्रा के साले, एंटोनिया माइनो के पुत्र राहुल गांधी हैं।

इनका कहना है,

हिन्दू हिंसक है, नफरती है और झूठा है।

ये हिंदुस्तान के लीडर ऑफ अपोजिशन हैं।

विपक्ष के नेता है, तब इनकी नजर में हिन्दू ऐसा है

अगर सत्ता में होते, तो श्रीराम जी काल्पनिक हो जाते

रामसेतु तोड़ने के लिए रिट सुप्रीम कोर्ट में डाली जाती

सोचिये, हिन्दुओं के एकमात्र देश में ये बंदा भरी संसद में हिन्दुओं को गाली दे गया।

यदि आपको कभी राहुल के लिए दो शब्द कहने का मौका मिले तो आप इस बंदे को क्या कहेंगे... ?

जयपुर

श्री शक्तिपीठ को भेंट 'प्रज्ञा रथ'

इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा साध्वी समदर्शी द्वारा संचालित 'श्री शक्ति पीठ' को सेवा बस्तियों में बच्चों को शिक्षित करने हेतु वाहन भेंट। कार्यक्रम 7 जुलाई को पाथेय भवन में आयोजित हुआ।

उदयपुर

जल मित्र सम्मान

जल मित्र डॉ. पीसी जैन एवं उनकी पत्नी डॉ. मंजू जैन को उनके द्वारा उदयपुर के अधिकांश डॉक्टरों के यहां छत पर गिरने वाले वर्षा जल के संचयन हेतु रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम प्रारम्भ करवाने के लिए सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण

विद्याधर नगर (विवेकानन्द बस्ती) जयपुर में अमृता देवी प्रकृति अभियान के निमित्त नव निर्मित महाकाल पार्क में बिल्व पत्र, जामुन, कनेर, अशोक आदि के पेड़ लगाते कार्यकर्ता बंधु व समाजजन।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से सम्मानित करते राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन। इससे पूर्व मोदी को भूटान, फिजी, मिस्र, फ्रांस, बहरीन, अमेरिका, अफगानिस्तान, मालदीव, सऊदीअरब, यूएई, फिलिस्तीन, पापुआ न्यूगिनी तथा पलाऊ द्वारा अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

गुलाबपुरा (चित्तौड़)

जल सेवा

आसींद जिले (चित्तौड़ प्रांत) के गुलाबपुरा नगर की श्रीराम व्यवसायी शाखा के स्वयंसेवकों एवं समाज बंधुओं ने गत 3 से 30 जून तक नियमित 1 घंटे रेलवे स्टेशन पर भीषण गर्मी में यात्रा कर रहे बंधुओं के लिए जल सेवा की।

बस्सी

नि:शुल्क नेत्र शिविर

बस्सी में सेवा भारती समिति, राजस्थान के तत्वावधान में आयोजित नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर (2 जुलाई) में 1245 रोगियों को चश्मा वितरित किया गया। 400 से अधिक लोगों की आंखों की जांच कर दवाइयां दी गई तथा मोतियाबिंद से ग्रसित 28 लोगों को नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए जयपुर रैफर किया गया।

गोस्वामी तुलसीदास

गोस्वामी तुलसीदास जी ने लोकभाषा में रामचरितमानस की रचना कर सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य किया। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में जन्मे रामबोला (तुलसीदास) का बचपन अत्यंत संघर्षमय था। लेकिन विपरीत परिस्थितियों में भी भगवान राम के प्रति उनका विश्वास और मजबूत होता गया। सौभाग्य से संत नरहरि दास उन्हें अपने साथ ले गये और शिक्षित किया। उनकी प्रसिद्ध कृतियों में विनय पत्रिका, दोहावली, गीतावली, कवितावली, हनुमान चालीसा, वैराग्य संदीपनी, जानकी मंगल, पार्वती मंगल आदि हैं।

तुलसीदास ने रामकथा के पात्रों के रूप में भारतीय संस्कृति के सर्वोत्तम आदर्शों और जीवन को शक्ति व संस्कार देने वाले मूल्यों का प्रतिनिधित्व किया। मानस उनका सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है। यह न केवल हिन्दी साहित्य का, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय साहित्य का रत्न है। अवधी में लिखे इस ग्रंथ में मुख्यत: दोहे और चौपाइयां हैं। अपनी लघु पुस्तक 'रामललानहछू' में उन्होंने लोक गीतों की तर्ज पर राम के विवाह का वर्णन किया है। श्रीरामचरितमानस का कथानक महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत में रचित रामायण से लिया गया है।

हाल ही में इसे यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया पैसेफिक रीजनल रजिस्टर में शामिल किया गया है। जो भारत के लिए गौरव का क्षण है, जिससे देश की समृद्ध साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत की पुष्टि होती है। गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म श्रावण शुक्ल 7 (इस बार 12 अगस्त) को हुआ था।

लुप्त संख्या ज्ञात करो

28	60	48
5	6	7
2	36	14
7	?	16

उत्तर 3(16-7)=3x9=27

स्मार्टफोन से बच्चों में बढ़ा है तनाव

पिछले कुछ सालों में समृद्ध देशों के टीनएजर्स में मेंटल हेल्थ और डिप्रेशन की समस्याएं बढ़ी हैं। वर्ष 2010 के मुकाबले अमेरिका में डिप्रेशन के मामलों में 150 फीसदी की वृद्धि हुई है। 17 अमीर देशों में टीनएजर्स में आत्महत्या के मामले भी बढ़े हैं। यह इसलिए भी ध्यान देने योग्य है क्योंकि भारत में 10 से 14 आयु वर्ग के 83 फीसदी बच्चे स्मार्टफोन उपयोग करते हैं। एक जानकारी के अनुसार फ्रांस ने 2018 में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए स्मार्टफोन बैन किया था। इसी साल नीदरलैंड ने भी स्कूलों में मोबाइल फोन बैन किए हैं।

घरेलू नुस्खा

अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े नींबू के रस में डालकर और नाममात्र का सेंधा नमक मिलाकर शीशे (कांच) के बर्तन में रख दें। 5-7 टुकड़े रोज भोजन के साथ सेवन करें, मदांग्नि (पाचन शक्ति कमजोर होने की समस्या) दूर हो जाएगी।

कुकिंग / किचन टिप्स

- गुथ हुआ आटा अगर बच जाए तो आटे पर देशी घी लगाकर रख देने से आटा काला नहीं पड़ता है।

आओ संस्कृत सीखें-40

- अतिथि आ गये। **अतिथिः आगतवान्।**
- पिताजी को बुलाइये। **पितरम् आह्वयतु।**

गीता- दर्शन

यदृच्छालाभसन्तुष्टो द्वन्द्वातीतो विमत्सरः।
समः सिद्धावसिद्धौ च कृत्वापि न निबध्यते।।

श्रीकृष्ण कहते हैं, हे अर्जुन! जो बिना इच्छा के अपने आप प्राप्त हुए पदार्थ में सदा सन्तुष्ट रहता है, जिसमें ईर्ष्या का सर्वथा अभाव हो गया है, जो हर्ष-शोक आदि द्वन्द्वों से सर्वथा दूर हो गया है- सिद्धि और असिद्धि में सम रहने वाला ऐसा पुरुष कर्म करता हुआ भी उनमें नहीं बँधता है।। (4/22)

दिवस

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस : संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1985 में यह दिवस घोषित किया। पहली बार यह दिवस वर्ष 2000 में मनाया गया। सरकार को युवाओं की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराना तथा उनके द्वारा किए जा रहे नवाचार से दुनिया को अवगत कराने हेतु यह दिवस मनाया जाता है।

जांचें कि आप कितने ज्ञानवान है?

नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर बताइए। अपना ज्ञान स्तर निम्नानुसार मानें- **सामान्य**- यदि आप 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **श्रेष्ठ** - यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **उत्तम**- यदि सभी उत्तर सही देते हैं।

1. अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का अनुमोदन करने वाला 97वां सदस्य देश कौन सा है?
2. 'प्रबुद्ध भारत' पत्रिका किस महापुरुष द्वारा प्रारम्भ की गई थी?
3. भारत में सर्वाधिक चावल उत्पादक राज्य कौन सा है?
4. सर्वप्रथम किस भारतीय साहित्यकार को नोबेल पुरस्कार दिया गया?
5. 'यामा' किस रचनाकार की प्रसिद्ध कृति है?
6. भगवान बुद्ध के बचपन का नाम क्या था?
7. लाल बहादुर शास्त्री जी की समाधि स्थल किस नाम से जानी जाती है?
8. भारत का फ्लाइंग सिख किसे कहा जाता है?
9. राजस्थान में पत्रकारिता का भीष्म पितामह किसे कहा जाता है?
10. मेवाड़ प्रजामंडल की स्थापना किसके द्वारा की गई थी?

उत्तर इसी अंक में...

कथा

वृक्ष की छाल

नामदेव घर के बाहर खेल रहा था कि उसकी मां ने उसे बुलाया और कहा, ''बेटा, अमुक वृक्ष की छाल उतार लाओ दवा बनानी है।''

मां का आदेश मिलते ही बालक जंगल चला गया। वहां उसने चाकू से पेड़ की छाल खुरची और उसे लेकर वापस आने लगा। जंगल से लौटते हुए उसे एक महात्मा मिले। नामदेव ने उन्हें झुक कर प्रणाम किया।

संत ने पूछा, '' हाथ में क्या है नामदेव।'' नामदेव ने जवाब दिया, ''दवा बनाने के लिए पेड़ की छाल ले जा रहा हूँ''। संत बोले,''क्या तुमको पता नहीं कि हरे पेड़ को क्षति पहुंचाना गलत है।'' वृक्षों में भी जीवन होता है। वैद्य जब इसकी पत्तियां तोड़ते हैं तो पहले हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं कि दूसरों के प्राण बचाने के उद्देश्य से आपको कष्ट दे रहा हूँ। यह हमारी संस्कृति है।'' संत के वचनों ने नामदेव पर गहरा असर डाला।

गहरी सोच में डूबा नामदेव घर पहुंचा और कमरे के कोने में बैठकर चाकू से अपने पैर की चमड़ी छीलने लगा। जब पैर से खून बहते देखा तो मां घबराते हुए बोली, ''क्या पागल हो गया है, यह क्या कर रहा है।''

बालक बोला,'' पेड़ों में भी जीवन होता है। मैं पैर की चमड़ी उतार कर यह समझने की कोशिश कर रहा हूँ कि जब मैं पेड़ की छाल उतार रहा था तब पेड़ को कितना दर्द हुआ होगा। ''

वर्ग पहेली

राजस्थान की 9 क्षेत्रीय बोलियों को खोजिए

ड़ी	वा	मे	वा	अ	ड़ी
हा	ड़ौ	ती	ती	ही	ग
मा	र	वा	ड़ी	र	वा
ल	मे	शे	खा	वा	टी
वी	चा	री	ग	टी	भू
ब्र	ज	ढूं	ढा	ड़ी	ची

उत्तर : मारवाड़ी, मेवाड़ी, ढूँढाड़ी, शेखावाटी, हाड़ौती, मेवाती, मालवी, अहीरवाटी, वागड़ी

बाल प्रश्नोत्तरी - 59

जीतें पुरस्कार अब दूसरी और तीसरी बार भी

बाल मित्रों, 1 जून का अंक पढ़ने के पश्चात् निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें। अपने उत्तर 'उत्तर शीट' में भरकर 7976582011 पर वॉट्सएप करें। प्रथम 10 को प्रमाण-पत्र तथा प्रथम 5 को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में 6 से 17 वर्ष तक के बाल-किशोर ही भाग ले सकते हैं। लगातार 5 बार उत्तर सही पाए जाने पर विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। उत्तर भेजने की अंतिम तिथि - **05 अगस्त, 2024**

1. नीमूचाणा नरसंहार राजस्थान के किस जिले में हुआ था?
(क) अलवर (ख) जयपुर (ग) भरतपुर (घ) सीकर

2. लिलूड़ी-बड़ली नरसंहार कब हुआ था?
(क) 6 मई,1922 (ख) 15 मई,1922 (ग)17 मई, 1922 (घ) 22 मई,1922

3. नागपुर के किस किले पर अंग्रेजों का झंडा यूनियन जैक लहराता था?
(क) सीताबर्डी किला (ख) रायगढ़ (ग) जयगढ़ (घ) शिवनेरी किला

4. 2011 में ममता बनर्जी सरकार ने कितनी जातियों को ओबीसी में जोड़ा था?
(क) 44 (ख) 42 (ग) 40 (घ) 47

5. पंजाब में किस स्थान पर 1989 में संघ की शाखा पर आतंकी हमला हुआ था?
(क) अटारी (ख) अबोहर (ग) मोगा (घ) अमृतसर

6. महाराजा दाहिरसेन का बलिदान दिवस कब मनाया जाता है?
(क) 10 जून (ख) 15 जून (ग) 16 जून (घ) 18 जून

7. अजमेर स्थित अढ़ाई दिन का झोंपड़ा जाने वाले जैन मुनि कौन हैं?
(क) ललितप्रभ सागर (ख) तरुण सागर (ग) चंदप्रभु सागर (घ) सुनील सागर

8. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस किस दिन मनाया जाता है?
(क) 20 जून (ख) 21 जून (ग) 23 जून (घ) 27 जून

9. श्री गुरुग्रंथ साहिब में कबीरदास जी के कितने दोहे शामिल हैं ?
(क) 220 (ख)225 (ग) 228 (घ) 226

10. अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस की शुरुआत किस वर्ष में हुई थी?
(क) 1950 (ख) 1951 (ग) 1949 (घ) 1948

समीकरण हल कीजिए

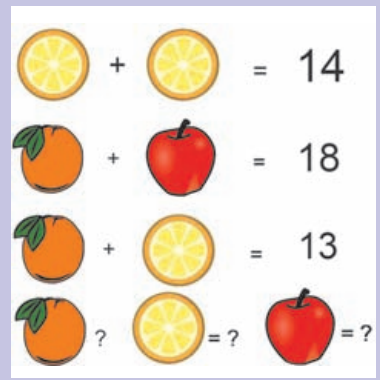

उत्तर : 9, 7, 12

बाल प्रश्नोत्तरी-57 के परिणाम

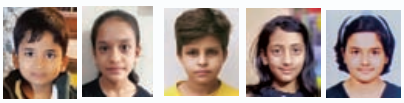

देवांशु बारूनी अनुजा पाखी वैदेही

1. देवांशु दुबे, रोहता, आगरा
2. बारूनी कांकरिया, भोपालगंज , भीलवाड़ा
3. अनुजा मूण्ड, हनुमानगढ़ टाउन, हनुमानगढ़
4. पाखी उपाध्याय, मुरलीपुरा, जयपुर
5. वैदेही शर्मा, गुर्जर की थड़ी, जयपुर
6. नकुल मथुरिया, कृष्णा मार्ग, जैसलमेर
7. डिम्पल राजपुरोहित, फलौदी, जोधपुर
8. मोहन विथोलिया, बाड़ी, धौलपुर
9. रीतू सैनी, पिलानी, झुन्झुनू
10. राजेश चौधरी, कालाडेरा, जयपुर

सही उत्तर
1. (क)
2. (क)
3. (ग)
4. (ख)
5. (घ)
6. (घ)
7. (क)
8. (घ)
9. (ग)
10.(क)

निम्नांकित उत्तर शीट भरकर इसी की फोटो वॉट्सएप करें। (बाल प्रश्नोत्तरी - 59)
(अपनी पासपोर्ट फोटो अवश्य वॉट्सएप करें)

1.( ) 2.( )3.( )4.( ) 5.( )6. ( )7.( )8.( ) 9.( )10.( )

नाम.....कक्षा.....पिता का नाम.....

उम्र..... पूर्ण पता.....

.....पिन.....मोबाइल.....

रक्षाबंधन संदेश

डॉ.शरदरेणु शर्मा

संस्कृति संस्कार पूरित, दिव्य अनुपम नेह बंधन,
राष्ट्ररक्षा हित मनायें, आओ हम सब रक्षाबंधन।
राष्ट्र...।।

भरत भू जीवंत माता, पुत्र सम अपना है नाता,
हैं हमें प्रिय नदी पर्वत, सजल निर्झर गीत गाता।
प्रकृति मय श्रृंगार करके, करें, हृद से मातृ पूजन,
राष्ट्र...।।1।।

सब स्वजन आत्मीय मिलकर, द्वेष हिंसा को मिटायें,
राखी में आबद्ध होकर, मय निराशा को भगायें।
प्रेम आभामय जगत हो, श्रावणी का पर्व अनुपम,
राष्ट्र...।।2।।

ज्ञान-गौरव, अमिय-अद्भुत, वेद की गूंजे ऋचायें,
कृष्ण की गीता सुनाती, कर्म-भक्ति की कथायें।
ईश शाश्वत सर्वव्यापी, जग नियन्ता है चिरन्तन,
राष्ट्र...।।3।।

है यही संकल्प सबका, विश्वगुरु हो देश अपना,
नव सृजन नव चिन्तना से, सत्य होवे शुचिर सपना।
विश्व में बंन्धुत्व मय हो, सर्वदा भारत का जन-जन,
राष्ट्र...।।4।।

अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख,
राष्ट्र सेविका समिति

उत्तर : जांचें कि आप कितने ज्ञानवान है? 1. पनामा 2. स्वामी विवेकानन्द 3. पश्चिम बंगाल 4. रवीन्द्र नाथ टैगोर 5. महादेवी वर्मा 6. सिद्धार्थ 7. विजय घाट 8. मिल्खा सिंह 9. पं.झाबर मल शर्मा 10. माणिक्य लाल वर्मा

आगामी पक्ष के विशेष अवसर (1 से 15 अगस्त, 2024)
(श्रावण कृष्ण 12 से शु.10 तक)

जन्म दिवस
1 अगस्त (1882)- राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जयंती
2 अगस्त (1861)- आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय जयंती
3 अगस्त (1886)- मैथिलीशरण गुप्त जयंती
श्रावण शु.6(10 अग.)-22वें तीर्थंकर नेमिनाथ जयंती
श्रावण शु.7 (12 अग.)- गोस्वामी तुलसीदास जयंती
12 अग.(1919)- डॉ.विक्रम साराभाई जयंती
13 अग.(1638)- वीर दुर्गादास राठौड़ जयंती
15 अग.(1872)- महर्षि अरविन्द जयंती

बलिदान दिवस/पुण्यतिथि
5 अगस्त(2005)- बाढ़-पीड़ितों की रक्षार्थ मनोज चौहान का बलिदान
11 अगस्त(1908)- क्रांतिकारी खुदीराम बोस का बलिदान
13 अगस्त (1795)- महारानी अल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि
14 अगस्त (1915)- सरदार बन्ता सिंह का बलिदान
15 अगस्त (1942)-देवशरण,फुलेनाप्रसाद, उदयचन्द का बलिदान
15 अगस्त (1947)- सरदार अजीत सिंह का महाप्रयाण

महत्वपूर्ण घटनाएं/अवसर
2 अगस्त (1954)- पुर्तगालियों से दमन-दीव की मुक्ति
5 अगस्त (2020)- राम मंदिर शुभारम्भ दिवस (अयोध्या में)
5 अगस्त (2019)- कश्मीर से अनुच्छेद 370 तथा 35ए हटा, संसद में सीएए पारित
8 अगस्त (1509)- श्री कृष्णदेवराय का राज्याभिषेक
9 अगस्त (1942)- भारत छोड़ो आंदोलन (सम्पूर्ण देश में प्रारंभ)
9 अगस्त (1925)- काकोरी कार्रवाई
14 अगस्त (1947)- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस
15 अगस्त (1947)- खण्डित भारत की स्वतंत्रता

सांस्कृतिक पर्व/त्योहार
4 अगस्त - हरियाली अमावस्या
6 अगस्त - सिंजारा (तीज का)
7 अगस्त - तीज मेला (जयपुर में)
11 अगस्त - डिग्गी कल्याण जी की पदयात्रा (टोंक)
19 अगस्त - रक्षाबंधन पर्व (श्रावण पूर्णिमा)
19 अगस्त - संस्कृत दिवस

पंचांग- श्रावण (कृष्ण पक्ष) 22 जुलाई से 4 अगस्त, 2024 तक

प्रथम श्रावण वन सोमवार-22 जुलाई, **पंचक प्रारंभ**- 23 जुलाई(प्रात: 9:20 बजे), **चतुर्थी व्रत** - 24 जुलाई, **नाग पंचमी**- 25 जुलाई, **पंचक समाप्त** -27 जुलाई (दोपहर 1:00 बजे), **कामिका एकादशी व्रत**-31 जुलाई, **रोहिणी व्रत (जैन)**-31 जुलाई, **प्रदोष व्रत** -1 अगस्त, **देव पितृकार्य अमावस्या** -4 अगस्त (हरियाली अमावस्या)

ग्रह स्थिति - **चन्द्रमा :** 22-23 जुलाई को **मकर** राशि में, 24-25 जुलाई को **कुंभ** राशि में, 26-27 जुलाई को **मीन** राशि में, 28-29 जुलाई को **मेष** राशि में, 30-31 जुलाई को उच्च की राशि **वृष** में, 1 से 3 अगस्त **मिथुन** राशि में तथा 4 अगस्त को स्वराशि **कर्क** में स्थित रहेंगे। श्रावण कृष्ण पक्ष में **गुरु** व **वक्री शनि** यथावत वृष व कुंभ राशि में स्थित रहेंगे। इसी प्रकार **राहु** व **केतु** भी क्रमश: मीन व कन्या राशि में स्थित रहेंगे। **सूर्य, मंगल** व **बुध** क्रमश: यथावत कर्क, वृष व सिंह राशि में गतिमान रहेंगे। **शुक्र** 31 जुलाई को दोपहर 2:33 बजे कर्क से सिंह राशि में प्रवेश करेंगे।

स्वराज्य संस्थापक

छत्रपति शिवाजी

15

आलेख एवं चित्र

ब्रजराज राजावत

क्रमशः

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा जनहित की योजनाओं का शुभारंभ

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

आपणो अग्रणी राजस्थान

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

65 लाख किसानों को ₹650 करोड़ से अधिक की सहायता

₹2000 की अतिरिक्त सहायता राशि में से किसानों को ₹1000 की पहली किश्त उनके बैंक खाते में डायरेक्ट ट्रांसफर

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना

बढ़ी हुई राशि का सीधा हस्तांतरण

₹1037 करोड़ से अधिक राशि

88 लाख से अधिक लाभार्थी

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

लगभग 21,000 पदों पर नियुक्तियाँ

41 हजार 500 पदों के लिए विज्ञापन जारी

11 हजार 500 पदों के लिए परीक्षा आयोजित

5 हजार 500 पदों की वित्तीय स्वीकृति जारी

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

शिक्षा ॐ संस्कार राष्ट्र सेवा

दूरभाष : 0141-2653386, 2650614 e-mail : vbrajasthan@rediffmail.com

विद्या भारती राजस्थान

सेवाधाम, जवाहरनगर, सेक्टर-4, जयपुर-302004

An Alternative Model of National Education

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा घोषित वर्ष 2024 के परीक्षा परिणामों में विद्या भारती की वरीयता सूची में कीर्तिमान बनाने वाले भैया-बहिनों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें

द्वादशी (XII)

स्थान	प्रतिशत	वर्ग	नाम	विद्यालय
I	(99.00%)	(विज्ञान वर्ग)	सुरभी गोयल	उ.मा.बालिका मानटाउन, स.मा.
II	(98.80%)	(विज्ञान वर्ग)	अश्विनी सिंह भाटी	आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक नोखा
II	(98.80%)	(विज्ञान वर्ग)	मोहित शर्मा	विद्या नि.उ.मा.वि. छोटी सादड़ी
I	(95.80%)	(वाणिज्य वर्ग)	कृष्णा बजाज	उ.मा.आ.वि.मं. अम्बाबाड़ी, जयपुर
I	(95.80%)	(वाणिज्य वर्ग)	भरत पंसारी	श्री चि.धा.उच्च मा. आ.वि.मं. रतनगढ़
II	(95.60%)	(वाणिज्य वर्ग)	भावना सुथार	श्री सावित्री देवी ग. बा.आ.वि.मं. नोखा
I	(97.80%)	(कला वर्ग)	सुरेन्द्र सिंह	आदर्श विद्या मंदिर उ.माध्य. माजीवाला
II	(97.40%)	(कला वर्ग)	भगवती	श्रीमती सा.ग.बा. आ.वि.मं. नोखा
II	(97.40%)	(कला वर्ग)	शिल्पा शेखावत	नवीन आ.वि.मं.बा. उ.माध्य. सूरतगढ़
I	(100%)	(कला वर्ग विशेष)	मुकुल प्रजापत	श्रीमती के.दे.सो. आ.वि.मं. चूरू
II	(98.80%)	(कला वर्ग विशेष)	कैलाश कुमार	आदर्श विद्या मंदिर उ.माध्य. चौहटन

दशमी (X)

स्थान	प्रतिशत	नाम	विद्यालय
I	(99.33%)	जाहनवी कुमारी ओपावत	आ.वि.मं. बा.उ.मा. भीनमाल
II	(99.00%)	अंशु शर्मा	श्री ब.स.आ.वि.मं. तारानगर, चूरू
III	(98.83%)	करण जावा	आ.वि.मं.उ.मा. नोखा
III	(98.83%)	गौरी पाटीदार	आदर्श विद्या मंदिर सरोनिया
IV	(98.50%)	माया	आ.वि.मं.उ.माध्य धोरीमन्ना
IV	(98.50%)	दिलीप	श्री स.आ.वि.मं. उ.माध्य.ओसियां
IV	(98.50%)	पलक रेगर	श्रीमती सा.दे.ग. बा.आ.वि.मं. नोखा
IV	(98.50%)	प्राची आर्य	उच्च माध्यमिक हिण्डौन
IV	(98.50%)	गीतिका सैनी	श्री बनेचंद सरावगी तारानगर, चूरू
IV	(98.50%)	तानिया मीना	श्री जे.जी. सेखानी बीदासर
V	(98.33%)	कृष्णा वैष्णव	आदर्श विद्या मंदिर फालना
V	(98.33%)	प्रवीण लोधा	आदर्श विद्या मंदिर मनोहरथाना
VI	(98.17%)	लक्ष्यराज पालीवाल	आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक बाप
VI	(98.17%)	कृष्णा कड़ेल	शारदा बाल निकेतन मुंडवा
VI	(98.17%)	रेखा शर्मा	श्रीमती मो.दे.गौ. सि.स.बा., चूरू
VI	(98.17%)	कृष्णपाल सिंह	आदर्श विद्या मंदिर गुराडिया जोगा
VII	(98.00%)	सोनल मीणा	उच्च माध्यमिक बस्सी
VII	(98.00%)	दीपिका कुमावत	आदर्श विद्या मंदिर सांभर लेक
VII	(98.00%)	निकिता	श्री बनेचंद सरावगी तारानगर, चूरू
VIII	(97.83%)	प्रवेश सेठिया	सेठ दीपचंद डूढाणी आ.वि.मं. कालू
VIII	(97.83%)	हिमांशी जांगिड़	गु.दे.गंगापुर सिटी सवाईमाधोपुर
VIII	(97.83%)	अंशुल अग्रवाल	उ.मा.विवेकानंदपुरम् सवाईमाधोपुर
VIII	(97.83%)	गुंजन सैनी	श्री बनेचंद सरावगी तारानगर, चूरू
VIII	(97.83%)	प्रेरणा माली	आ.वि.मं.उ.मा.वि. गांधीपुरी शाहपुरा
IX	(97.67%)	भवानी शंकर	आ.वि.मं.उ.माध्य. शेरगढ़
IX	(97.67%)	निर्मला प्रजापत	आ.वि.मं.उ.माध्य. शेरगढ़
IX	(97.67%)	गौरव चौधरी	आ.वि.मं. उ.मा. पीपाड़ शहर
IX	(97.67%)	प्रियांशु	पोद्दार मा.आ.वि.मं. भरतपुर
IX	(97.67%)	यश गुप्ता	मा.आ.वि.मं. खैरथल
IX	(97.67%)	रवि नामा	मा.आ.वि.मं. छाण
IX	(97.67%)	भुपेश सैनी	श्री बनेचंद सरावगी तारानगर, चूरू
IX	(97.67%)	अनुभव पोरवाल	श्री लालचंद आ.वि. मं. भवानी मण्डी
X	(97.50%)	खुशाल गौड़	आ.वि.मं. उ.माध्य. माजीवाला
X	(97.50%)	धैर्य चौधरी	आ.वि.मं. उ.माध्य. पीपाड़ शहर
X	(97.50%)	चेतन चौधरी	उ.मा. विवेकानंदपुरम् सवाईमाधोपुर
I (वर्ग विशेष)	(98.83%)	ममता	आ.वि.मं.उ.माध्य. तिंवरी

हमारे विद्यालयों में

✲ प्रभावी शिशुवाटिका (ECCE) Play Group ✲ अटल टिंकरिंग लैब (ATL) ✲ विद्यालय की गुणवत्ता का मूल्यांकन (SESQ) ✲ बालिका शिक्षा ✲ School Games federation of India द्वारा राज्य की मान्यता ✲ प्रभावी अभिभावक सम्पर्क ✲ संस्कारक्षम वन्दना सभा ✲ अंग्रेजी संभाषण (Spoken English) ✲ Information commnication technology द्वारा शिक्षा ✲ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का प्रभावी क्रियान्वयन (Effective Implementation of NEP-2020)

प्रो.भरतराम कुम्हार
अध्यक्ष

डॉ. परमेन्द्र दशोरा
मंत्री

पाक्षिक
पाथेय कण
(16-31 जुलाई,2024)
(10 जुलाई को प्रकाशित, पृष्ठ 20)

आर.एन.आई पंजीयन क्र. 48760/87
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY 202/2024-26

अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
JAIPUR CITY/WPP 01/2024-26

RAS- 2021 में 750+ Selections

Springboard ACADEMY
AN INSTITUTE FOR IAS & RAS

IAS | RAS
Foundation Batch | Foundation Batch

(Online & Offline)

नया बैच प्रारम्भ

Exclusive Live Batch from Classroom

IAS/RAS

3 Years Integrated Course After 12th Pass

नया बैच प्रारम्भ

RAS Pre/ PSI

नया बैच प्रारम्भ

Riddhi - Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur
9636977490, 0141-3555948

ऐप डाउनलोड करने के लिए
QR Code स्कैन करें
GET IT ON Google Play

Connect with us- Springboard Academy Online | Springboard Academy Jaipur

स्प्रिंगबोर्ड एकेडमी के IAS, RAS हेतु प्रमाणित क्लास नोट्स उपलब्ध The Notes Hub 7610010054, 7300134518

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक माणकचन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी, ए-10, 22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालय : पाथेय भवन, 4 मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
सम्पादक- रामस्वरूप अग्रवाल
प्रेषण दिनांक 16,17,18,19 व 20 जुलाई, 2024 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर

प्रतिष्ठा में,